जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 77 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 19 जनवरी, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोहन भागवत ने पाला खींचा, राहुल ने चुनौती स्वीकार की?

भागवत ने हाल ही में इन्दौर में कहा कि भारत को असल में आज़ादी तो उसी दिन मिली, जब राम मंदिर का निर्माण अयोध्या में हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत के दावों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को कवर करते हुए, भारतीय मीडिया ने हमेशा की तरह कांग्रेस और आर.एस.एस. के बीच संघर्ष के मूल को नज़र अंदाज़ किया है। भागवत राहुल गांधी पर हमला कर रहे हैं और मीडिया उसे इस तरह प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा हैं, जैसे उनका बयान एक प्रचार अभियान का हिस्सा है।

राहुल के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन, दिल्ली में पार्टी की यात्रा के एक नए चरण की पुष्टि करता है। भवन न केवल पार्टी के पुराने पते में बदलाव की घोषणा करता है, बल्कि यह उस वैचारिक परिवर्तन के पूरा होने का संकेत है, जो कुछ समय से पार्टी के भीतर चल रहा है।

यह हस्तक्षेप सही समय पर किया गया है, क्योंकि आर.एस.एस. 1925 में अपनी शताब्दी की तैयारियाँ कर रहा है। हाल ही में, इंदौर में अपने भाषण में संघ के चीफ मोहन भागवत ने स्पष्ट रुप से यह परिभाषित किया है कि आगामी दिनों में उनका संगठन अपनी वैचारिक अभिव्यक्ति को कैसे आकार देगा।

- आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी। अतः शताब्दी वर्ष में संघ प्रमुख ने अपनी तरफ से कोई दुविधा नहीं छोड़ी, आज़ादी के बारे में आइडियोलॉज़िकल'' स्टैण्ड के बारे में।
- राहुल गांधी ने भी संघ की इस सोच के बारे में अब अपना-चिन्तन बड़े आक्रामक शब्दों में वर्णित किया है और कोई गलतफहमी की गुजांइश नहीं छोड़ी। इससे पूर्व, राहुल गांधी के हिंदुत्व के बारे में सोच में काफी दुविधा दिखती थी।
- उनके सलाहकारों ने उन्हें कई मंदिरों के दर्शन कराये, उनके गोत्र को भी ढूंढ निकाला व प्रचारित किया और राहुल को शैव (शिव भक्त) बताया। पर, राहुल ने अब यह दुविधा त्याग दी है तथा अपने चिन्तन व आस्था को भक्ति आंदोलन की तरफ मोड़ा तथा भगवान बुद्ध, यीशू, सूफी, गुरुनानक आदि की भांति धार्मिक सहिष्णुता व शांति को लक्ष्य बताया।
- अब मोहन भागवत व राहुल की स्पष्ट व अलग-अलग सोच के बीच वैचारिक द्वंद का ''स्टेज'' सैट हो गया है।

राहुल के अनुसार, भागवत के दावों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया को कवर करते हुए, भारतीय मीडिया हमेशा की तरह कांग्रेस और आर.एस.एस. के बीच संघर्ष के मूल को समझने में नाकाम रहा है। मीडिया राहुल गांधी पर हमला कर रहा है और यह दिखाने की कोशिश कर रहा है, मानो राहुल का बयान एक प्रचार अभियान का हिस्सा हो। वह भारत की स्वतंत्रता के बारे में आर.एस.एस. के विचारों पर कांग्रेस व राहुल गांधी की स्पष्ट प्रतिक्रिया समझ नहीं पा रहा है।

विश्लेषकों के अनुसार, यह बात ज्यादा पुरानी नहीं है, जब सलाहकारों ने राहुल को एक मंदिर से दूसरे मंदिर घुमाया था। उन्होंने राहुल के लिए एक गोत्र भी ढूंढ निकाला था और उन्हें एक शैव घोषित किया था। तब से कांग्रेस नेता ने अपने सोच में स्पष्ट रुप से सुधार किया है और वे भक्ति आंदोलन की समन्वयात्मक परंपराओं के अनुसार, अपने विचारों को तब्दील कर रहे हैं। वे इन विचारों को बौद्ध, ईसाई, सूफी, गुरु नानक और अन्य के द्वारा व्यक्त किए गए सहनशीलता और शांति के सार्वजनिक विषयों के रुप में व्यक्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस ने जोर दिया कि महात्मा गांधी ने समाज में क्रांति की, उसकी उपलिब्ध को इस समाज में हुए क्रांतिकारी कायापलट में देखा जा सकता है, जहाँ एक दलित को अब ग्रंथों में दिए गए उसके स्थान पर धकेला नहीं जा सकता, उसे दबाया नहीं जा सकता। मनुस्मृति की जगह संविधान को लाना

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अब नीमकाथाना जिला समाप्त करने के खिलाफ याचिका

जयपुर, 18 जनवरी। राज्य सरकार की ओर से पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा नव सृजित जिलों में से कुछ जिलों का दर्जा समाप्त करने का विवाद बढता जा रहा है। गंगापुर सिटी के बाद अब नीम का थाना के जिले का दर्जा समाप्त करने के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है। स्थानीय पूर्व विधायक रमेश चंद्र खंडेलवाल की ओर से पेश इस याचिका पर हाईकोर्ट आगामी सप्ताह में सुनवाई करेगा।

- पूर्व विधायक रमेश चन्द्र खंडेलवाल की याचिका पर हाई कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने रामलुभाया कमेटी की सिफारिशों और तय मापदंडों के आधार पर नीम का थाना सहित, अन्य जिलों का सृजन किया था। उसके बाद, यहां सरकारी कार्यालय और बस स्टैंड आदि के लिए जमीन आवंटित हो चुकी हैं। इसके साथ ही, जिला कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिले में नियुक्त किया गया। वहीं, कानून व्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया और इससे क्षेत्र में अपराध दर में भी कमी आई। इसी बीच सरकार बदलने के बाद, गत 29 दिसंबर को अधिसूचना जारी कर नीमका थाना से जिले का दर्जा छीन लिया गया। याचिका में कहा गया कि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा चरमरा रहा है, पर, ''लैफ्ट'' (वामपंथियों) ने पार्टी के दिमाग पर कब्जा कर लिया है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। वर्ष 2023 से ही भाजपा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के हितों के खिलाफ खड़े होने का आरोप लगा रही है। इस सप्ताह गांधी के इस दावे, कि कांग्रेस ''इंडियन स्टेट'' के खिलाफ लड़ रही है, के बाद तो आलोचना और तीव्र हो गई।

गत दो साल से भाजपा लगातार राहुल गांधी को निशाना बना रही है और उन्हें ऐसे नेता के रूप में पेश करने का प्रयास कर रही है जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ खड़ा है। यह तर्क दिया जा रहा है कि राहुल भारतीय हितों के लिए हानिकारक हैं, क्योंकि उनके संबंध उन विदेशी तत्वों से है, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। भाजपा यह आरोप लगाती है कि वे विदेश में भारत के खिलाफ बोलते हैं तथा जॉर्ज सोरॉस जैसे अरबपति के चैरिटी संगठन से जुड़े हुए हैं और उग्र वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में हैं।

बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, यह न सोचें कि हम एक ''फेयर फाइट'' कर रहे हैं, भाजपा व संघ ने देश के सभी संस्थानों पर कब्जा कर लिया है, हम भाजपा से, संघ से और इंडिया स्टेट के खिलाफ लड़ रहे है।

एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम गोपनीय रखते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1966 के अंत से ही देश के वामपंथियों को बढ़ावा दिया है और

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- भाजपा के अनुसार, 1960 के दशक से ही कांग्रेस ''लैफ्ट'' (वामपंथ) को प्रोत्साहित कर रही है तथा फिर लैफ्ट की ''आइडियोलॉजी'' का ह्रास होने के बाद, कई वामपंथी नेता ''कांग्रेस'' से जुड़ गये तथा गांधी परिवार के कान व आँख हो गये।
- भाजपा ने यह दावा किया कि जॉर्ज सोरोस व गांधी-नेहरू परिवार के संबंध भी काफी गहरे व पुराने हैं।
- फोरी नेहरू, सोरोस की भांति हंगरी की रहने वाली हैं तथा उनकी शादी पण्डित नेहरू के चचेरे भाई बी.के. नेहरू से हुई थी। अतः राहुल गांधी की रिश्तेदार लगती हैं। सोरोस कई बार फोरी नेहरू से मिलने गये तथा खतों के मार्फत नियमित सम्पर्क बनाये हुए थे।
- भाजपा का आरोप है कि डिजिटल अखबार, मीडिया पार्ट की जाँच के अनुसार, ओ.सी.सी.आर.पी. का गठन अमेरिका की सरकार व सोरोस ने किया है, अडानी के मामलों, पैगेसस तथा ब्राजील द्वारा भारतीय वैक्सीन कोवैक्सीन का आयात सस्पैंड करने की खबर सबसे पहले ओ.सी.सी.आर.पी. में आई और फिर तुरन्त राहुल गांधी ने ये मुद्दे उठाये।

'जब तक 11, अशोक रोड, भाजपा के पास है, तब तक 24, अकबर रोड भी कांग्रेस के पास रहेगा'

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि भाजपा अभी भी पूर्व मुख्यालय, 11, अशोक रोड पर काबिज है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व मुख्यालय 24, अकबर रोड में पार्टी के जितने भी कार्यालय थे, सभी को एक साथ नए मुख्यालय इंदिरा भवन, 9ए, कोटला रोड में शिफ्ट नहीं किया जाएगा।

24, अकबर रोड के बारे में उन्होंने कहा कि ''पार्टी ने अभी पूरी तरह शिफ्ट नहीं किया है, धीरे-धीरे शिफ्टिंग हो रही है और इसमें समय लगेगा।''

उन्होंने आगे कहा कि इसे भाजपा के पूर्व मुख्यालय 11, अशोका रोड के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भाजपा पूर्व मुख्यालय को अपने पास रखे हुए है। जब तक भाजपा 11, अशोका रोड को अपने पास रखेगी, तब तक 24, अकबर रोड भी कांग्रेस के पास रहेगा।

- माकन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी धीरे-धीरे अपने कार्यालय को नए मुख्यालय, इंदिरा भवन में शिफ्ट करेगी।
- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से 1969 से पहले की पार्टी की सभी सम्पत्तियों, जिन पर मुकदमा चल रहा था, का मालिकाना हक पार्टी को मिलने का रास्ता साफ हो गया है।
- उन्होंने कहा कि इसमें, 7, जतंर-मंतर रोड भी शामिल है। यहाँ अभी जनता दल (युनाईटेड) का राष्ट्रीय मुख्यालय है।
- जयराम रमेश ने कहा, पार्टी इन सम्पत्तियों को अपने अधिकार में लेने के लिए गंभीर एवं सुनियोजित प्रयास करेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अनुभव प्रमाण पत्र स्वीकार कर लैब टैक्नीशयन पद पर नियुक्ति दें

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह लैब टेक्नीशियन भर्ती-2023 में याचिकाकर्ता अभ्यर्थी के अनुभव प्रमाण पत्र को स्वीकार कर उसे नियुक्ति प्रदान करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार यादव व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने लैब टेक्नीशियन भर्ती में भाग लिया था। विभाग ने चयन का मापदंड शैक्षिणक योग्यता और बोनस अंक के आधार पर मेरिट में आना तय किया था।

- हाई कोर्ट ने अनुभव के आधार पर बोनस अंक का लाभ दिया।

याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने उसका अनुभव प्रमाण पत्र इस आधार पर स्वीकार नहीं किया कि वह आरपीएमसी में हुए पंजीकरण से पहले का है।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उसने लैब टेक्नीशियन का संबंधित कोर्स करने के बाद राजस्थान पैरा मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण करना चाहा था, लेकिन उसका पंजीकरण नहीं हो पाया। इस दौरान, उसने संविदा पर लैब टेक्नीशियन के तौर पर काम किया और संबंधित अधिकारी ने उसे अनुभव प्रमाण पत्र भी दे दिया। दूसरी ओर, राजस्थान पैरा मेडिकल काउंसिल ने अनुभव प्रमाण पत्र मिलने के बाद उसका पंजीकरण भी कर लिया। ऐसे में उसके अनुभव प्रमाण पत्र को भर्ती के लिए स्वीकार कर उसे बोनस अंक का लाभ देते हुए नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को उसके अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति देने को कहा है।

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

नए साल के पहले ही महीने में चौथे कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की है

कोटा, 18 जनवरी (निसं)। कोटा में कोचिंग छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शनिवार को जवाहर नगर थाना इलाके में एक और कोचिंग छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। छात्र 12वीं बोर्ड के साथ -साथ जेईई की तैयारी कर रहा था।

मूल रूप से बूंदी जिले के इंद्रगढ़ का निवासी छात्र कोटा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। जवाहर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर जवाहर लाल ने बताया कि शनिवार को घटनाक्रम के बारे में जानकारी मिली थी। छात्र अपने मौसेरे भाई के साथ रहता था। परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया और छात्र के नेत्र दान किए। उसके मामा ने बताया कि छात्र ने अपने परिजनों का फोन नहीं उठाया था। इस पर पास में रहने वाले छात्र को उसके कमरे में जाकर देखने को कहा, तब इस घटना की सूचना उन्हें मिली।

उन्होंने बताया कि वह पढ़ाई में काफी होशियार था और बीते तीन सालों से कोटा में ही रहकर पढ़ रहा था। कंप्यूटर साइंस में आईआईटी से बीटेक करना उसका सपना था। वह धार्मिक प्रवृत्ति का था। कभी ऐसा नहीं लगा कि वह इस तरह का कदम उठा लेगा। परिवार में इकलौता बेटा ही था, इसके चलते माता-पिता सदमे में हैं। छात्र जवाहर नगर स्थित अपनी नानी के मकान में रहता था। नाना-नानी के निधन के बाद घर खाली ही था। ऐसे में, एक कमरे में छात्र और और दूसरे कमरे में उसका मौसेरा भाई रहता था।

शुक्रवार रात को दोनों खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह जब छात्र ने रूम नहीं खोला तो उसके मौसेरे भाई ने अपने परिजनों को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंची, तब इस मामले का खुलासा हुआ है। कोटा में इस साल स्टूडेंट्स के आत्महत्या का चौथा मामला है। वहीं, जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की परीक्षा भी चार दिन बाद 22 जनवरी से शुरू होने वाली है।

- मृतक छात्र बूंदी के इंद्रगढ़ का रहने वाला था तथा कोटा में नाना-नानी के घर रह कर पढ़ाई कर रहा था।
- घटना की सूचना मिलते ही परिजन पहुँच गए और पोस्टमार्टम किए बिना ही छात्र का शव ले गए, उन्होंने छात्र के नेत्र दान करने की भी घोषणा की।
- मृतक छात्र बारहवीं कक्षा में पढ़ता था तथा जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था, उसका मौसेरा भाई भी साथ ही रहता था।
- ठीक एक दिन पहले, शुक्रवार को ओडिशा के मयूरभंज जिला निवासी एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। वह जे.ई.ई. मेन्स की तैयारी कर रहा था। यह परीक्षा 22 जनवरी से शुरु हो रही है।

दिव्यांग संविदाकर्मी से बिना वेतन काम कराने पर नोटिस जारी

जयपुर, 18 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिव्यांग संविदाकर्मी से करीब डेढ साल तक काम करवाकर, उसे वेतन नहीं देने और बाद में सेवा से

- हाई कोर्ट ने चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, सीएमएचओ व प्लेसमैंट एजेन्सी से जवाब मांगा।

हटाने पर पर प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, सीएमएचओ जयपुर और अमर एसोसिएट सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश प्रवेश कुमार बुनकर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने अदालत को बताया कि चिकित्सा विभाग ने प्लेसमेंट एजेंसी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'हमारी पार्टी हरियाणा और दिल्ली में आप के साथ गठबंधन करना चाहती थी, पर, केजरीवाल ने इन्कार कर दिया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा, केजरीवाल ने जेल से छूटते ही हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आज जोर देते हुये कहा कि कांग्रेस तो दिल्ली और हरियाणा- दोनों ही राज्यों में आप के साथ गठबंधन करना चाहती थी, लेकिन केजरीवाल ने ''स्वयं ही इनकार कर दिया था।''

दिल्ली के वरिष्ठ कांग्रेस नेता माकन ने कहा, ''हरियाणा और दिल्ली- दोनों (ही राज्यों) में हम आप के साथ गठबंधन करना चाहते थे। लेकिन केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद, हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की एकतरफा घोषणा कर दी थी। उस समय, गठबंधन से संबंधित हमारी बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी। (लेकिन) उन्होंने स्वयं इनकार कर दिया था।''

माकन ने कहा, ''लोकसभा चुनावों के बाद, उन्होंने ही कहा था कि वे दिल्ली के चुनाव पृथक रह कर लड़ेंगे।''

उल्लेखनीय है कि आप और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक के हिस्से हैं, ने दिल्ली में 2024 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े थे। उन आम चुनावों में, दोनों में से कोई भी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

दिल्ली के आसन्न विधानसभा चुनावों से पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय माकन ने शनिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री तथा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की प्रगति से भाजपा को ''मदद मिलती है।''

माकन ने कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिये, कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनना होगा।

- कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य हैं और दिल्ली के लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने साथ लड़ा था, पर, दोनों को ही एक भी सीट नहीं मिली थी।
- अजय माकन ने कहा कि केजरीवाल की ताकत बढ़ने से भाजपा को ही लाभ होता है, अगर, भाजपा को टक्कर देनी है तो कांग्रेस को मजबूत होना पड़ेगा।
- माकन ने कहा, जब तक शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, कांग्रेस ने लोकसभा की सभी सीटें जातीं। कांग्रेस ने भाजपा को रोका था।
- माकन ने कहा, जब से आप आई है, सभी सात लोकसभा सीटें भाजपा जीत गई। अब बताइए कौन है भाजपा का मददगार।

उन्होंने कहा, ''कमजोर हो रही कांग्रेस, भाजपा से टक्कर नहीं ले सकती। हर व्यक्ति को यह समझ लेना चाहिये।''

दिल्ली की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुये, ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष ने कहा, ''दिल्ली में, जब तक शीला दीक्षित मुख्यमंत्री रहीं, हम लोकसभा की सभी सात सीटें जीतते रहे। और हमने भाजपा को रोक दिया था।''

पार्टी के नव-उद्घाटित मुख्यालय में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा, ''दिल्ली में आप के सत्ता में आने के बाद, इससे ठीक उल्टा हो रहा है, भाजपा सभी सात सीटें जीत रही है तो भाजपा के साथ कौन हुआ?''

2020 के विधानसभा चुनावों में, आप ने 62 तथा भाजपा ने आठ सीटें जीती थीं, जबकि 2015 के चुनावों में, आप ने 67 तथा भाजपा ने केवल 3 सीटें जीती थीं। कांग्रेस इन दोनों ही चुनावों में कोई भी सीट नहीं जीत पाई थी।

70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा के लिये मतदान 5 फरवरी को होगा तथा मतगणना 8 फरवरी को होगी।

राजनाथ सिंह ने महाकुंभ में स्नान किया

महाकुंभनगर, 18 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महासमागम महाकुंभ में शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आस्था की डुबकी लगाई।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि आज तीर्थराज प्रयाग के संगम में मैंने स्नान किया। मैं स्वयं को बहुत ही कृतार्थ महसूस कर

- उन्होंने कहा संगम में स्नान को मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ।

रहा हूं। उन्होंने कहा यह भारतीयता और आध्यात्मिकता एवं सांस्कृति का पर्व है। इसे किसी पंथ, समुदाय या धर्म के साथ जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। भारत ही नहीं, दुनिया के कोने कोने से लोग यहां आकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। किसी को यदि भारत और भारतीयता को समझना है तो वह आकर इस महाकुंभ को देखे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

दुर्वचन पशुओं तक को अप्रिय होते हैं। –बुद्ध

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30X30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30X30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं-पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण, जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्रोत के रूप में काम करना शामिल है।

तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है। गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई), जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोडता है, जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का का सूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान एक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है,जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रदान करते हैं।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं, विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का LST, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यह शीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (Forests, Vol. 13, Pages 1101, 2022)? यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106 अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है, जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध, के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं, वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशन रिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं, जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले,जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई (बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में, जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

2025 में उच्च शिक्षा: एक प्रस्तावना

प्रो. अशोक कुमार

2025, भारत की उच्च शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष होने की आशा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के साथ, हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां उच्च शिक्षा अधिक समावेशी, नवीन और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होगी।

2025 तक, हम निम्नलिखित परिवर्तनों की उम्मीद कर सकते हैं:–

1. सर्वांगीण विकास पर जोर:– कौशल विकास: केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

बहु-विषयक शिक्षा: छात्रों को विभिन्न विषयों का गहन ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

शारीरिक शिक्षा और योग :- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक शिक्षा और योग को पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए।

2. डिजिटल शिक्षा का प्रसार:– ऑनलाइन शिक्षा: अधिक से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान ऑनलाइन शिक्षा की पेशकश होनी चाहिए, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

डिजिटल संसाधन :- छात्रों को डिजिटल संसाधनों जैसे ई-पुस्तकालय, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और मंचों तक पहुंच प्रदान कीजानी चाहिए।

3. अनुसंधान और नवाचार पर जोर:– अनुसंधान संस्कृति: विश्वविद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा और छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उद्योग-अकादमिक सहयोग: उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान किया जा सके।

4. समावेशी शिक्षा:– विविधता: उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि सभी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को समान अवसर मिल सके।

दिव्यांग छात्र: दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

5. स्वायत्तता और लचीलापन:– स्वायत्त संस्थान: उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दी जानी चाहिए ताकि वे अपने पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को विकसित कर सकें।

लचीले पाठ्यक्रम: छात्रों को अपने करियर के लक्ष्यों के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने की अधिक स्वतंत्रता होनी चाहिए।

6. विश्व स्तरीय शिक्षा:– अंतरराष्ट्रीय मानक: भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग: भारतीय विश्वविद्यालय विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करना चाहिए ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार किया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए एक विस्तृत तंत्र की आवश्यकता होती है जिसमें नियामक समितियां भी शामिल हैं। यह सच है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कई नई नियामक संस्थाओं की स्थापना की जानी है, लेकिन यह प्रक्रिया समय लेने वाली होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कुछ प्रमुख नियामक संस्थाएं जो स्थापित की जानीचाहिए हैं, उनमें शामिल हैं:–

उच्च शिक्षा आयोग: यह एक एकल नियामक निकाय है जो उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं को नियंत्रित करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान परिषद :– यह अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख संस्था है

राष्ट्रीय स्कूली शिक्षा बोर्ड यह स्कूली शिक्षा के लिए एक एकल बोर्ड होना चाहिए।

यह उम्मीद की जाती है कि इन नियामक संस्थाओं के गठन से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

निष्कर्ष:– 2025 तक, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में एक व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा। यह परिवर्तन छात्रों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा और भारत को एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करेगा।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

गंदे पानी की निकासी नहीं होने से लोग दूषित वातावरण में रहने को मजबूर

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे के रामबास मोहल्ले में स्थित गंदे पानी की गेनाणी डिग्गी के पानी निकासी नहीं होने के कारण ओवरफ्लो हो गई तथा प्रमुख रास्ते पर गंदा पानी भर गया है। इससे लोग दूषित वातावरण में रहने को मजबूर हैं।

शनिवार को मिली जानकारी में गंदे पानी की गेनाणी डिग्गी के पानी निकासी नहीं होने के करण में कारण रास्ते के चारों तरफ गंदगी का आलम छा गया है, मोहल्ले में दूषित वातावरण बन गया। आसपास के घरों और गलियों में जलभराव की स्थिति बन गई है। आक्रोशित लोगों ने बताया कि शिकायतों के बावजूद नगर पालिका प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लोग मजबूरन इस गंदे पानी से होकर गुजरने को मजबूर हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी बढ़ गया है।

इस संबंध में द्वारका प्रसाद प्रजापत, फेसल पहाड़खानी, जयनारायण सैनी, प्रदीप बंसल, पवन सैनी, प्रकाश शर्मा, सुरेश गोस्वामी, राधेश्याम स्वामी व विजय शर्मा आदि अनेक लोगों ने बताया कि संस्कृत पाठशाला के सामने बने पंप हाउस में लगे जनरेटर का पाइप फट जाने के कारण डिग्गी से पानी निकासी नहीं हुई, जिसके कारण डिग्गी का पानी ओवरफ्लो होकर प्रमुख रास्ते पर भर गया। आक्रोशित लोगों ने बताया कि मात्र 35 हजार रुपए का खर्च नगर पालिका प्रशासन से नहीं हो रहा है और रखरखाव के अभाव में जनरेटर खराब हो गया तथा इस प्रमुख रास्ते पर दिनभर हजारों लोगों का आवागमन बना रहता है।

गुलपुरा मोड, रैगरान मोहल्ला, खुशीपुरा मोहल्ला, बागडिया कॉलोनी, सैनी मोहल्ला, जलदाय विभाग क्षेत्र मोची कॉलोनी तथा रामबास आदि क्षेत्रों के लोगों को बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा अपने निजी कार्यों से इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। इसके अलावा स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी इसी रास्ते से आना और जाना पड़ता है, लेकिन प्रमुख रास्ते पर गंदा पानी भर जाने और गंदगी का आलम होने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा मजबूरी में लोगों को गंदे पानी से गुजरना पड़ता है।

गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण रास्ते में भरा गन्दा पानी परेशानी का सबब बना हुआ है।

- गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण राजगढ़ रामबास मोहल्ले में गेनाणी डिग्गी ओवरफ्लो हुई
- मोहल्ले के लोगों ने आक्रोश जताया, शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

इस मौके पर अनेक लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि आखिर इस समस्या की जिम्मेदारी कौन लेगा। मोहल्लेवासी प्रशासन से निराश हो चुके हैं और वे समझ नहीं पा रहे कि अब अपनी समस्या के समाधान के लिए किस पर विश्वास करें। शहर में गत कई महीना से सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है।

श्रीगंगानगर के किन्नू की क्वालिटी में सुधार के साथ मिठास भी बढ़ी

श्रीगंगानगर, (निसं)। बांग्लादेश सरकार ने गत वर्ष भारत से भेजे जाने वाले किन्न पर आयात शुल्क 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 62 प्रतिशत कर दिया। इस कारण यहां से भेजे जाने वाले किन्नू के भाव वहां बढ़ गए हैं। इसके कारण डिमांड भी कम हो गई। बांग्लादेश में पाकिस्तान से भी किन्नू भेजा जाता है। जिले में इस बार 12500 हैक्टेयर में किन्नू के बाग हैं। इस बार लगभग 2.75 लाख एमटी किन्नू का उत्पादन हुआ है। गर्मी का दौर लंबा चलने से दिसंबर के अंतिम सप्ताह में ठंड पड़नी शुरू हुई है। इससे किन्नू की क्वालिटी में सुधार के साथ ही मिठास भी बढ़ी है। ऐसे में किन्नू का सीजन भी इस बार लंबा चलेगा। उम्मीद है कि इस बार मार्च तक आमजन को खाने के लिए किन्नू मिल सकेगा।

श्रीगंगानगर पड़ोसी देश बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास का असर अब कारोबार पर भी पड़ना शुरू हो गया है। श्रीगंगानगर क्षेत्र से हर साल उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत किन्नू बांग्लादेश भेजा जाता है, लेकिन इस बार किन्नू के कारोबार पर भी इसका असर पड़ रहा है। श्रीगंगानगर के व्यापारी किन्नू इस बार बांग्लादेश नहीं भेज रहे हैं। श्रीगंगानगरी किन्नू की मिठास व अच्छी क्वालिटी के कारण देश से नहीं पड़ोसी देशों में भी खूब डिमांड रहती है। अरब देशों के साथ ही पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी श्रीगंगानगरी किन्नू की खूब डिमांड रहती है, लेकिन बांग्लादेश में सरकार बदलने के साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आई है। ऐसे में कारोबार पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है। किन्नू के सीजन नवंबर, दिसंबर व जनवरी माह में हर साल उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत माल सड़क मार्ग से बांग्लादेश भेजा जाता है, लेकिन इस बार व्यापारी भी किन्नू बांग्लादेश नहीं भेज रहे हैं। हालांकि देश के अन्य राज्यों में किन्नू की डिमांड अच्छी है और यहां से व्यापारी अन्य राज्यों में किन्नू यहां के वैक्सीनेशन व ग्रेडिंग करवाने के बाद पैकिंग कर ट्रकों से भेज रहे हैं।

- श्रीगंगानगर क्षेत्र से हर साल उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत किन्नू बांग्लादेश भेजा जाता है, लेकिन इस बार किन्नू के कारोबार पर भी इसका असर पड़ रहा है
- बांग्लादेश किन्नू नहीं भेजने का दूसरा कारण आयात शुल्क में बढ़ोतरी होना भी माना जा रहा है

किन्नू क्लब के अध्यक्ष राजकुमार जैन ने बताया कि किन्नू के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार को प्रयास करने चाहिए। पांच साल पहले तक किन्नू महोत्सव का आयोजन किया जाता था, लेकिन अब ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं होता। किन्नू के उत्पाद तैयार करने पर शोध की भी जरूरत है, जिससे कि जैम जैली से उत्पाद तैयार हो सकें। श्रीगंगानगर का किन्नू देश-विदेशों में खूब पसंद किया जाता है। इस बार आवक भी अच्छी हो रही है।

देश को घोड़ों की आठवीं नस्ल के रूप भीमथड़ी घोड़ा मिला

बीकानेर, (निसं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस सी मेहता के नेतृत्व में किए गए शोध कार्य के परिणामस्वरूप देश को घोड़ों की आठवीं नस्ल के रूप भीमथड़ी घोड़ा मिला। इस कार्य के परिणामस्वरूप भारत सरकार ने इस नस्ल के लिए गजट नोटिफिकेशन यानी भारत का राजपत्र जारी किया। अब यह भारत की घोड़ों की आठवीं गजट नोटिफाईड नस्ल हो गई है।

इस संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें डॉ एस सी मेहता एवं रणजीत पंवार को पारिषद के महानिदेशक एवं सेक्रेटरी, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा डॉ. हिमांशु पाठक, देश के पशु पालन कमिश्नर डॉ. अभिजीत मित्रा, उप महानिदेशक पशु विज्ञान डॉ. राघवेन्द्र भट्ट, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं उपकुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त एवं राष्ट्रीय पशु अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के निदेशक डॉ. बी पी मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में वि.वि. के कुलपति, निदेशक, सहायक महानिदेशक, प्रभागाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं गणमान्य जन उपस्थित थे। इस सम्बन्ध मे डॉ. मेहता ने बताया कि राजपत्र जारी होने से इस नस्ल को पालने वालों के अधिकार सुनिश्चित हो जाते हैं, इस पर समिति या संस्था बनाकर कार्य किया जा सकता है एवं इस से सरकार की कई योजनाओं से वित्तीय सहायता मिलने में भी आसानी रहती है। इस दिशा में कार्य भी आरंभ किया जा चुका है एवं इस नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु "आल इंडिया भीमथड़ी हॉर्स एसोसिएशन" का गठन रणजीत पंवार की अध्यक्षता में किया जा चुका है। डॉ. मेहता ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि क्षत्रपति शिवाजी राव महाराज की विरासत को हम लगभग चार सौ वर्ष बाद पुनर्स्थापित कर पाए एवं इसके संरक्षण एवं संवर्धन का मार्ग प्रशस्त कर पाए।

- भारत सरकार ने भीमथड़ी घोड़ा नस्ल के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया

राशिफल रविवार 19 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 5:30 तक, अतिगंड योग रात्रि 1:57 तक, तैतिल करण प्रात: 7:31 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग सायं 5:30 से सूर्योदय तक है। रवियोग सायं 5:30 से आरम्भ होगा। आज सायन कुम्भ में सूर्य प्रवेश रात्रि 1:30 पर होगा। आज पंचमी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:40 से 9:54 तक, लाभ-अमृत 9:59 से 12:37 तक, शुभ 1:57 से 3:16 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:54

मेष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज धन हानि हो सकती है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

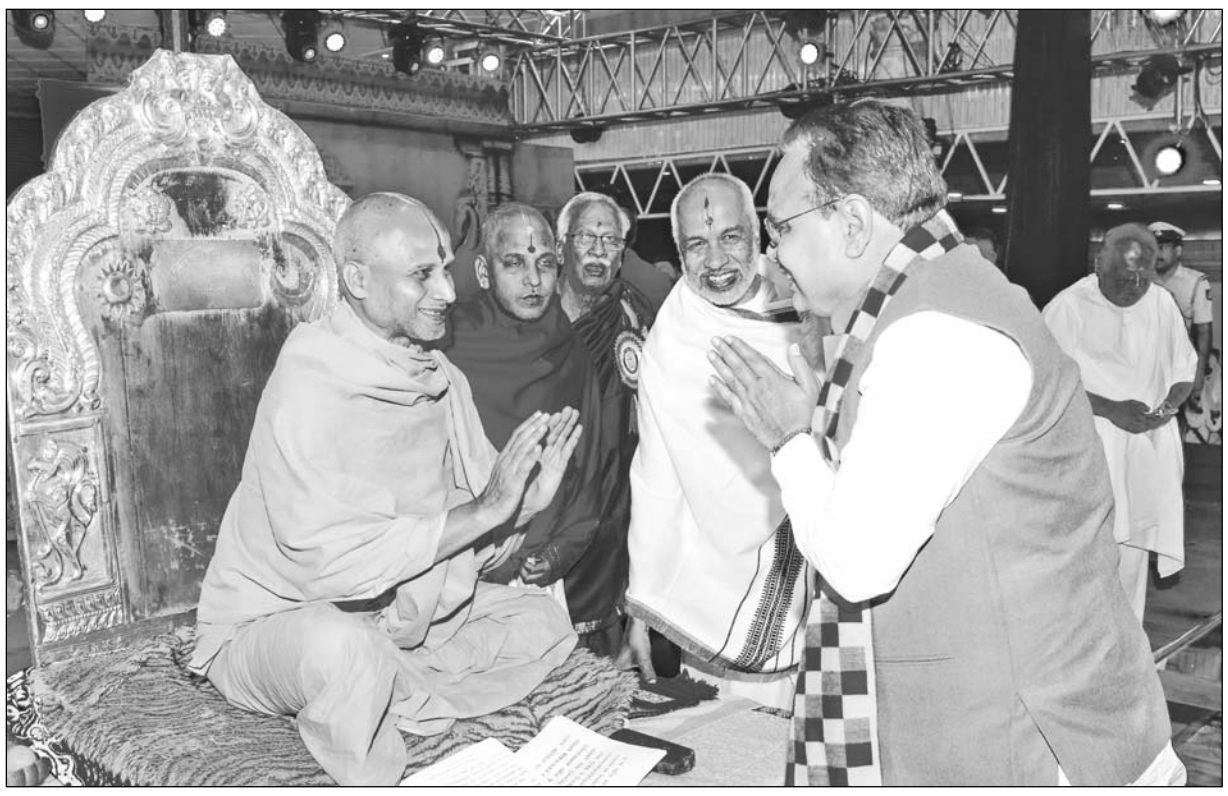

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कर्नाटक के बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वें राज्य स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अशोक हर्नाहल्ली सहित संत-महात्मा तथा बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे।

सत्र न्यायालय ने संजय रॉय को दुष्कर्म व हत्या का दोषी माना

अदालत ने 57 दिन सुनवाई के बाद आर जी कर अस्पताल के प्रशिक्षु डॉक्टर प्रकरण में फैसला सुनाया

■ **सोमवार को अभियुक्त की सजा पर बहस होगी। संजय रॉय को भी कहने का मौका दिया जायेगा।**

कोलकाता, 18 जनवरी। पश्चिम बंगाल में सियालदह की एक अदालत ने शनिवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में सिविल वालंटियर संजय रॉय को दोषी करार दिया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिरबन दास ने 12 नवंबर-2024 को शुरू हुई बंद कमरे में सुनवाई के 57 दिन बाद यह फैसला सुनाया। रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने हालांकि यह भी कहा कि सजा सुनाये जाने से पहले, उसे सोमवार को बोलने का मौका दिया जायेगा।

सियालदह सत्र न्यायालय ने पिछले वर्ष 12 नवंबर से बंद कमरे में सुनवाई की थी और 09 जनवरी-2025 को समाप्त हुई। सुनवाई के दौरान, पीड़िता के माता-पिता, जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आरजी कर में उसके सहकर्मियों सहित 50 गवाहों के बयान दर्ज किये गये।

कोलकाता पुलिस से जुड़े सिविक वालंटियर संजय रॉय इस मामले में एकमात्र आरोपी है। उसे उसी दिन कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पिछले वर्ष 14 अगस्त को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया था।

गौरतलब है कि 31 वर्षीय द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर महिला डॉक्टर से तीसरी मंजिल पर स्थित कार्डियक डिपार्टमेंट सेमिनार रूम में दुष्कर्म के बाद, बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गयी थी, जहां वह लगातार 36 घंटे की ड्यूटी करने के बाद विश्राम करने गयी थी।

फैसले के बाद, दोषी संजय ने कहा-मुझे इस मामले में फंसाया गया है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया है। एक आईपीएस इसमें शामिल है। मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता तो यह टूट जाती।

20 जनवरी से तीन नई वंदे भारत ट्रेन शुरु होंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। भारतीय रेल्वे ने 20 जनवरी से तीन वंदे भारत एक्सप्रैस के बारे में अपडेट जारी की है। इसमें ट्रेन 22439 वंदे भारत एक्सप्रैस भी शामिल है जो नई दिल्ली से कटरा जाएगी और 2478 वंदे भारत एक्सप्रैस ट्रेन कटरा से नई दिल्ली आएगी।

■ **इनमें नई दिल्ली से कटरा जाने वाली और कटरा से नई दिल्ली आने वाली ट्रेन भी शामिल है।**

इन सेमी हाई स्पीड ट्रेन का संचालन व रखरखाव नॉर्दर्न रेल्वे करता है। अपनी आरामदायक यात्रा की वजह से यात्रियों में ये बेहद लोकप्रिय हैं। इनमें समय भी कम लगता है। इस समय देशभर में 136 वंदे भारत ट्रेनें चल रही है।

'ब्राह्मण समाज पूरे राष्ट्र को दिशा देने का काम करता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेंगलुरु में सुवर्णा समब्रह्म व ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित किया

■ **उन्होंने कहा, राजस्थान की तरह कर्नाटक भी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिये विख्यात है। उन्होंने राजस्थान व कर्नाटक के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत बनाने के लिये सभी को राजस्थान आने के लिये आमंत्रित किया।**

बेंगलुरू/जयपुर, 18 जनवरी। शनिवार को कर्नाटक के बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वें राज्य स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा जन सेवा के कार्यों से अपने, ध्येय "सर्वे जना सुखिनो भवन्तु" को चरितार्थ कर रही है। यह वेदों और शास्त्रों के पारायण, नित्यकर्मों के पालन और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है। हमारे प्राचीन ज्ञान को जीवित रखने का यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राह्मण समाज हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक धारा को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। यह वह समाज है जो पूरे राष्ट्र को दिशा देने का काम करता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और समाज के उत्थान में हर व्यक्ति की भूमिका अहम है। समाज में शांति, न्याय और सद्भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हमारी जिम्मेदारी है कि हम हर क्षेत्र में प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विकास के साथ विरासत का संरक्षण करने की प्रेरणा दी है। हमें उनके दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए हमारे पूर्वजों की दी हुई सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ मजबूत भी करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए देश- दुनिया में जाना जाता है, उसी तरह कर्नाटक भी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए विख्यात है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, भगवान परशुराम ने कर्नाटक के कोंकण तट का निर्माण किया था, इसलिए इसे परशुराम सृष्टि कहा जाता है। शर्मा ने कहा कि कर्नाटक संगीत पूरी दुनिया के शास्त्रीय संगीत में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। मैं राजस्थान और कनार्टक के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और अधिक मजबूत करने के लिए आप सभी को राजस्थान आने के लिए आमंत्रित करता हूं। कार्यक्रम में अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अशोक हर्नाहल्ली सहित, महासभा के अन्य पधाधिकारीगण, संत-महात्मा तथा बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित थे।

एक-दूसरे के बंदियों को रिहा करेंगे इज़रायल व हमास

येरुशलम, 18 जनवरी। इज़रायल-हमास के बीच हुए युद्ध विराम समझौते के बाद, दोनों देशों ने इस पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। इज़रायल के न्याय मंत्रालय ने 700 से अधिक फिलस्तीनी कैदियों की सूची प्रकाशित की है, जिन्हें गाजा में हमास के साथ संघर्ष को रोकने वाले समझौते के तहत रिहा किया जाना है। यह सूची इज़रायल के पूर्ण मंत्रिमंडल द्वारा युद्ध विराम समझौते को मंजूरी दिए जाने के कुछ घंटों बाद जारी की गई है।

■ **दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम पर अमल शुरु हो गया है।**

मंत्रालय ने कहा कि फिलस्तीनी कैदियों को रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे से पहले रिहा नहीं किया जाएगा, जिस दिन आदान-प्रदान शुरू होना है। इस सूची में हमास और इस्लामी आतंकवादी समूहों के सदस्य शामिल हैं, जिनमें से कुछ आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में दोषी हैं। इजरायल की ओर से रिहा किए जाने वाले फिलिस्तीनी बंधकों की 700 कैदियों की सूची में मारवान बरगौती (64) का नाम शामिल नहीं है। यह इज़रायल द्वारा बंदी बनाया गया सबसे प्रमुख फिलिस्तीनी कैदी है।

बरगौती को कई फिलस्तीनी लोग आगामी वर्षों में अपने राष्ट्रपति पद के प्रमुख उम्मीदवार के तौर पर देखते हैं। बरगौती 2000 के दशक के प्रारंभ में दूसरे फिलस्तीनी विद्रोह के दौरान पश्चिमी तट में एक नेता था। हमास ने मांग की है कि इजरायल किसी भी युद्ध विराम समझौते के तहत उसे रिहा करे, हालांकि इजरायली अधिकारियों ने इस संभावना से इनकार किया है। मगर हमास बरगौती को हर हाल में रिहा कराना चाहता है।

किसान नेता डल्लेवाल से मिला केन्द्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल

किसान आंदोलन पर केन्द्र सरकार ने सक्रियता दिखाई

■ **जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का आज 54वां दिन है।**

पटियाला, 18 जनवरी। पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का आज 54वां दिन है। शुक्रवार रात को डल्लेवाल को 3-4 बार उल्टियां आईं। पहले वे 2 लीटर तक पानी पी रहे थे, लेकिन अब एक लीटर से भी कम पानी पी रहे हैं। शनिवार को केन्द्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी प्रिया रंजन की अगुआई में खनौरी बॉर्डर पर पहुंचा। यहां उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं को लेकर चिंतित है। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

केन्द्र सरकार की टीम किसान नेताओं के पास सरकार का प्रस्ताव लेकर पहुंची। इस बैठक में किसानों की मांगों पर विचार-विमर्श चला, जिसमें आंदोलनरत किसानों की मुख्य मांगें शामिल रहीं। वहीं, खनौरी और शंभू मोर्चे के नेताओं और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं की मीटिंग पटियाला के पातड़ा में हुई। मीटिंग में 26 जनवरी को होने वाले ट्रैक्टर मार्च को लेकर स्ट्रेटजी बनाई गई, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा और शंभू-खनौरी बॉर्डर के नेताओं में एकता को लेकर फैसला नहीं लिया जा सका। संयुक्त किसान मोर्चा ने इसके लिए अभी और समय की मांग की है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोमवार को देश के लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को ज्ञापन सौंपेंगे।

उधर, संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों की मांगों को मानने का अनुरोध किया है।

राहुल गांधी ने बिहार की जाति गणना को फर्जी बताया

■ **उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार बनने पर लोकसभा - राज्यसभा में विधेयक पारित कराकर असली जनगणना करायेंगे।**

पटना, 18 जनवरी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने बिहार की नीतीश सरकार की महत्वाकांक्षी जातिगत गणना को फर्जी बताया और कहा कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए ऐसी गणना अवश्य होनी चाहिए लेकिन इस राज्य में जैसी हुई वैसी नहीं।

गांधी ने शनिवार को बापू सभागार में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए राष्ट्रव्यापी जातिगत गणना कराई जानी चाहिए लेकिन यह गणना बिहार जैसी फर्जी नहीं होगी। देश में जातिगत गणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए।"

कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना से संबंधित विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा में पारित कराएगी। उनकी सरकार आरक्षण की 50 प्रतिशत की बाधा को ध्वस्त कर देगी।

गांधी ने कहा, "संविधान में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति सिर्फ दो से तीन लोगों के हाथ में चली जानी चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई ताकत नहीं है। जब मैं पिछड़े समुदाय, दलितों, आदिवासियों से ताल्लुक रखने वाले भाजपा सांसदों से मिलता हूं तो वे कहते हैं कि हमें पिंजरे में डाल दिया गया है।"

कांग्रेस नेता ने केंद्र की मोदी सरकार पर देश की असली सत्ता उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के हाथों में सौंप देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब मोदी को पता चला कि पिछड़े समुदाय, दलितों के लोग प्रतिनिधित्व ले रहे हैं तो उन्होंने आपको प्रतिनिधित्व दिया लेकिन सत्ता छीन ली। सत्ता अंबानी, अडानी और आरएसएस को दे दी गई है। हर संगठन में अपने लोगों को रखा है।

अब नीमकाथाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समान स्थिति के कुछ अन्य जिलों को राजनीतिक कारणों से बरकरार रख गया है, जबकि करीब तीन दशक से नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग की जा रही थी।

ऐसे में जिला रद्द करने की अधिसूचना को निरस्त किया जाए। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अगस्त, 2023 में तीन संभाग और 19 जिलों का गठन किया था। वर्तमान भाजपा सरकार ने गत दिसंबर माह में नव सृजित तीनों संभाग व 9 जिलों को निरस्त करते हुए, आठ जिलों को यथावत रखा था।

मोहन भागवत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, राहुल गांधी और कांग्रेस धरोहर पर पुन: दावा कर रहे हैं, और वे पूरी तरह से इसके हकदार हैं। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद की अपनी राजनीति में जो संकीर्ण वैचारिक अभिव्यक्ति विकसित की थी, उससे अब वह बाहर आ गई है।

राहुल के अनुसार, आर.एस.एस. और भागवत उपनिवेशी राजनीति की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें रुढ़िवादियों द्वारा हर परिवर्तन का, भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बचाने के नाम पर, विरोध किया जाता था।

कांग्रेस ने भागवत के इन्दौर के बयान को सही समझा है, जिसमें उन्होंने अयोध्या से राम मंदिर निर्माण को वास्तविक आज़ादी बताया है, और स्वतंत्रता संग्राम की भावना व संविधान को खारिज कर दिया है। भागवत का बयान यहीं नहीं रुका, उन्होंने स्वतंत्र भारत के संघर्ष व उपलब्धियों को भी नकार दिया। क्या इसका कारण यह सत्य है कि आज़ाद भारत की नींव कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरु ने रखी थी। भागवतऑ धर्म तंत्र में विश्वास करते हैं।

भागवत ने युद्ध रेखा खींची है और राहुल ने इसे स्वीकार कर लिया है।

सैफ का संदिग्ध हमलावर छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

आरोपी शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में बैठा था

■ **पुलिस ने शुक्रवार को भी एक संदिग्ध को पकड़ा था पर पांच घंटे पूछताछ के बाद सबूतों के अभाव में छोड़ दिया।**

रायपुर, 18 जनवरी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) ने फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के एक संदेही को शनिवार को गिरफ्तार किया। हमला आरोपी को शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से गिरफ्तार किया गया है। जनरल डिब्बे में संदेही बैठा हुआ था। मुंबई पुलिस की ओर से भेजे गए फोटो के आधार पर आरोपी की पहचान की गई है।

आज रात आठ बजे मुंबई पुलिस दुर्ग पहुंचेगी। मुंबई पुलिस ने संदेही का एक मोबाइल नंबर शेयर किया था, वह नंबर डोंगरगढ़ के किसी राजेन्द्र के नाम पर रजिस्टर्ड है।

बुधवार देर रात बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के मुंबई स्थित घर में घुसे एक युवक ने उन पर हमला कर दिया था। इस हमले में सैफ को गंभीर चोटें आई थीं और उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। सैफ अली खान मुंबई के लीलावती अस्पताल में उपचाराधीन हैं और डॉक्टरों ने शनिवार को बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है तथा उन्हें अगले दो या तीन दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

बॉलीवुड अभिनेता पर बांद्रा स्थित उनके आवास में घुसकर एक घुसपैठिये ने चाकू से हमला कर दिया था, उन्हें रीढ़ की हड्डी सहित कई हिस्सों में चोटें आई थीं।

सैफ की आपातकालीन सर्जरी की गई है और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से हटाकर विशेष वार्ड में रखा गया है तथा डॉक्टरों का एक पैनल लगातार उनकी निगरानी कर रहा है।

इस बीच, हमलावर अभी भी फरार है और मुंबई पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 20 टीमें गठित की हैं। पुलिस शुक्रवार को एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए लायी थी, हालांकि पांच घंटे की पूछताछ के बाद, सबूतों के अभाव में उसे छोड़ दिया गया। ताजा घटनाक्रम के अनुसार शहर पुलिस ने प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, मुख्य आरोपी को दादर रेलवे स्टेशन पर मोबाइल कवर खरीदते समय देखा गया। पुलिस अभी तक मुख्य आरोपी तक नहीं पहुंच पायी है।

राजनाथ सिंह ने महाकुंभ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्नान करने के बाद, उन्होंने वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की पूजा-अर्चना की। जब रक्षामंत्री संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे थे, दूर खड़े श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर महादेव के नारे लगा रहे थे। सिंह ने दोनों हाथ हिलाकर, दूर खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। स्नान करने के साथ उन्होंने संगम के जल का आचमन भी किया। सिंह ने अक्षय वट, पातालपुरी, सरस्वती कूप का दर्शन करने के बाद, लेटे हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। उसके बाद, उन्होंने अखाड़ों के संतो से मुलाकात की। सभी कार्यक्रमों के बाद वे एक विवाह समारोह में शिरकत करने जाएंगे।

रक्षा मंत्री के आने से पहले, आर्मी ने पूरे किला घाट को अपने कब्जे में ले लिया। घाट के किनारे से लेकर पानी के अंदर तक आर्मी के जवानों ने जांच की। अंडर वाटर ड्रोन भी एक्टिव कर दिया गया। पानी के अंदर की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर पथराव

केजरीवाल वहां चुनाव प्रचार के लिए गए थे

■ **आप पार्टी का आरोप है कि प्रवेश वर्मा के गुंडों ने पथराव किया है, वहीं भाजपा ने कहा केजरीवाल की गाड़ी ने दो युवकों को टक्कर मारी है।**

■ **पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।**

नई दिल्ली, 18 जनवरी। नई दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला किया गया है। उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके गए, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, भाजपा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अपनी गाड़ी से 2 युवाओं को टक्कर मारी है। आप की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल पर प्रवेश वर्मा के गुंडों ने हमला किया है। नई दिल्ली विधानसभा में प्रचार करते वक्त यह हमला किया गया है। स्थानीय लोगों से प्रवेश वर्मा के गुंडों की झड़प हुई है। स्थानीय लोगों ने भाजपा के गुंडों को भगा दिया और कहा है, भाजपा वालों, तुम्हारे इस कायराना हमले से केजरीवाल डरने वाले नहीं हैं, दिल्ली की जनता तुम्हें इसका करारा जवाब देगी।

प्रवेश वर्मा ने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की गाड़ी ने हमारे 2 कार्यकर्ता को कुचल दिया है। आप के नेता अनमोल ने कहा कि भाजपा ने दोबारा से अरविंद केजरीवाल पर हमला करवाया है। ये इस बात का प्रमाण है कि भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार रही है। दिल्ली पुलिस को मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। देश की राजधानी में पूर्व मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लोगों का क्या होगा।

अरविंद केजरीवाल पर हमले को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता बौखलाए हुए हैं। अरविंद केजरीवाल के कामों पर लड़ने की हिम्मत नहीं है, तो अपने गुंडों से उन पर हमला करवा दिया। इससे ज्यादा घटिया और निचले स्तर की राजनीति कोई हो नहीं सकती, जो भाजपा कर रही है। भाजपा यह समझ लें, इस ईंट का करारा जवाब तुम्हें अब जनता पत्थर से देगी। नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले। प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें (पार्टी कार्यकर्ताओं को) आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की कार ने टक्कर मार दी, जब वह आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे।

भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा कि 3 युवा अरविंद केजरीवाल से अपनी नौकरी को लेकर सवाल कर रहे थे। तीनों युवाओं को अरविंद केजरीवाल की गाड़ी ने टक्कर मारी है, जिसमें वे बैठे हुए थे। पहले ड्राइवर ने एक बार ब्रेक मार दी थी, जिसके बाद केजरीवाल ने इशारा किया कि गाड़ी चढ़ा दो जिसके बाद ड्राइवर ने गाड़ी चढ़ाई। ये हत्या की साजिश का केस बनता है। तीनों युवाओं ने कहा है कि वे एफ.आई.आर. दर्ज कराएंगे।

दिव्यांग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमर एसोसिएट के जरिए संविदाकर्मी लेने का करार किया था। याचिकाकर्ता दिव्यांग ने 10 जनवरी, 2023 को वार्ड बॉय के लिए आवेदन किया। उसे 13 अप्रैल, 2023 को गोविंदगढ़ पंचायत समिति के इटावा भोपजी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्ति दी गई।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता से सितंबर, 2024 तक काम लिया गया और बाद में उसकी सेवा समाप्त कर दी गई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस अवधि में किए गए काम के बदले न तो प्लेसमेंट एजेंसी ने उसे वेतन के तौर पर कोई राशि दी और न ही विभाग ने उसे वेतन दिया।

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से प्लेसमेंट एजेंसी और स्वास्थ्य विभाग को कई बार पत्र लिखकर भी वेतन देने की मांग की, लेकिन उसके पत्रों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में कहा गया कि बिना वेतन दिए सेवाएं लेना बेगार के समान है। ऐसे में उसे बकाया वेतन दिलाया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चूंकि गत कुछ सालों से वामपंथी विचारधारा का पतन हो रहा है और उसके बाद से ही कई वामपंथी नेता कांग्रेस में आ गए हैं और गांधी परिवार के आँख, कान बन गए है। कांग्रेस का संगठन बिखर रहा है और वामपंथियों ने इसकी सोच पर कब्जा कर लिया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, राहुल गांधी ने क्या गलत बोला। वो बिल्कुल सही बोले। हमारी लड़ाई पूरे सिस्टम से है, उस राज्य से है जो संपूर्ण संघ परिवार के नियंत्रण में है। मूर्ख भाजपा सदस्य "नेशन" और "स्टेट" के बीच फर्क नहीं समझते हैं। स्टेट है बेकार सरकार, भ्रष्ट नौकरशाह और संघ परिवार के लोगों से भरी हुई एजेंसियां।"

राहुल के इंडियन स्टेट संबंधी बयान के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था, "मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि वे उच्चतम स्तर के विश्वासघाती और देशद्रोही हैं।" उसी दिन भाजपा ने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट डाली थी: "जॉर्ज सोरॉस और नेहरू-गांधी परिवार के बीच का जुड़ाव बहुत गहरा है। यह जुड़ाव सोनिया गांधी की "फोरम ऑफ डैमोक्रेटिक लीडर्स-एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) की सह-अध्यक्ष की भूमिका से भी आगे तक फैला हुआ है। फोरी नेहरू, जो सोरॉस की तरह ही हंगरी की रहने वाली हैं, का विवाह जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई बी.के. नेहरू के साथ हुआ था तथा इस प्रकार, वे राहुल गांधी की रिश्तेदार हुईं। सोरॉस के फोरी नेहरू से मिलने के दस्तावेजी साक्ष्य हैं तथा उनके साथ सोरोज का लम्बे समय तक पत्राचार हुआ है।"

उसी महीने, भाजपा ने एक डिजिटल समाचार पत्र "मीडिया पार्ट" से ओसीसीआरपी की जाँच कराई, जिससे सामने आया कि अमेरिकन सरकार और सोरोस- दोनों ही इसे फण्ड्स दिया करते थे। भाजपा ने आरोप लगाया कि अडानी-विवाद की ओसीसीआरपी द्वारा की गई कवरेज, पेगसस सर्विलैंस ऐप तथा ब्राजील द्वारा 2021 में कोवैक्सीन के आयात को निलम्बित किया जाना, आदि घटनाओं के तुरन्त बाद, राहुल गांधी और कांग्रेस ने ये मुद्दे उठाये थे।

उस समय, कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था तथा तथा कहा था कि ये आरोप इसलिये लगाये गये हैं, ताकि भाजपा लोगों का ध्यान अडानी ग्रुप के खिलाफ रिश्वत-कांड की अमेरिकन अदालत द्वारा की गई जाँच से हटा सके।

राहुल गांधी ने सितम्बर, 2024 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान जब आरएसएस पर हमला बोला था, उस समय केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उन्हें राजद्रोही करार दिया था तथा उन पर आरोप लगाया था कि वे भारत की बदनामी करने के लिये ही विदेश जाते हैं।

'जब तक 11...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया और बताया कि वे सम्पत्तियां, इसमें दिल्ली की सम्पत्तियां भी शामिल हैं जो 1969 से पहले पार्टी की थी और जिन पर कानूनी विवाद का सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, 7, जंतर-मंतर रोड कांग्रेस का है। उन्होंने कहा कि इन सम्पत्तियों को जो कानूनी विवाद में फंसी थी, को वापस लेने के गंभीर प्रयास किए जाएंगे, क्योंकि अब यह स्पष्ट है कि वे सम्पत्तियां कांग्रेस की हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है : दिया कुमारी

स्वामित्व योजना के तहत उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पट्टे वितरित किए

अजमेर। स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में शनिवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली लाभार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना देश के गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक है। ग्रामीण आबादी को अपनी भूमि का कानूनी प्रमाण दिया गया। कानूनी दस्तावेज से मालिकाना अधिकार मिला है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी ग्रामीण भू सम्पति पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई है। दस्तावेज के अभाव में ग्रामीण सम्पत्ति डेडकेपिटल हो जाती है। स्वामित्व योजना के लिए ड्रॉन मेपिंग करवाई गई है। अब आवासीय सम्पत्ति के कागजात दिए जा रहे हैं। इससे अवैध कब्जे तथा अदालती परिवादों से मुक्ति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत देश में वर्चुअल माध्यम से पट्टों का वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से ऐसे लोग है, जिनकी जमीन किसी भी सरकारी आंकड़ों में दर्ज नहीं थी। इस कारण जमीन को लेकर आपसी झगड़ा या कब्जा होने का खतरा हमेशा बना रहता था। उनको उस जमीन पर ऋण और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पाती थी। ग्रामीण परेशान रहते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीणों के इस दु:ख को समझा और इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की 24 अप्रैल 2020 को शुरूआत की। इस योजना में ड्रोन और डिजिटल माध्यम से गांव और खेत की मेपिंग करके सम्पत्ति के नामांकन और सत्यापन का कार्य किया जाकर स्वामित्व संबंधी पट्टे दिए जा रहे हैं।

स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए।

उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है। पूरे भारत में तीन लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग दस करोड़ से अधिक प्रोपट्री पार्सल तैयार किए जा चुके हैं। राजस्थान में कुल पैतीस हजार गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग आठ लाख साठ हजार से ज्यादा पट्टों का वितरण किया जा चुका है। बाईस सौ से अधिक ग्रामीण परिवारों को पट्टे दिए जा चुके हैं। अजमेर में इस योजना की शुरूआत अप्रेल 2022 में हुई थी। अजमेर में एक हजार 102 गांवों में सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग इकसठ हजार पट्टों का वितरण हो चुका है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अजमेर जिले के 6800 पट्टे वितरित किये गये।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के पास पट्टा होने से उनकी जमीन का मालिकाना हक मिला है। ग्रामीण आत्मनिर्भर हुए हैं। उनका सशक्तिकरण हुआ है। इस योजना के बाद शहरों के समान ही ग्रामीणों को भी जमीन के अन्य वित्तीय लाभ मिल रहे हैं। भूमि संबंधी विवाद खत्म हो रहे हैं। अतिक्रमण की समस्या का भी समाधान हुआ है। जमीन का रिकॉर्ड दर्ज होने से ग्रामीणों को कानूनी सुविधा और लाभ मिल रहा है। गांवों में निवेश के अवसर बढ़े हैं। जमीन का नामान्तरण और बंटवारे में आसानी हो रही है। गांवों में सरकारी और निजी भवन बनाने में सुविधा हो रही है। पंचायतराज विभाग, राजस्व विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सामूहिक प्रयासों से प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, अध्यक्ष रमेश सोनी, प्रवीण जैन, जिला परिषद सदस्य महेन्द्र सिंह मझेवाल, सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष हरिराम बाना, जिला कलेक्टर लोक बन्धु, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

बालिका का अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में युवक को पकड़ा

आरोप है कि बालिका को छह माह तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। 13 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश ले जाने और उससे दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय युवक सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सुनील ने बालिका को लगभग छह महीने तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को बड़ी मुश्किल से पकड़ा है।

- पुलिस ने यूपी के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को पकड़ा

बालिका की दादी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर कोतवाली में सुनील के खिलाफ 12 जुलाई 2024 को अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया था कि दोनों के मोबाइल फोन श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर बंद हो गए थे। इसके बाद इनका कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस ने गूगल मैप के जरिए सुनील के गांव का पता लगाया। वहां के सरपंच से संपर्क किया तो पता चला कि सुनील जून में अपने साथ एक लड़की को लेकर गांव आया था। इस पर पुलिस उसके गांव पहुंची तो वहां दोनों ही नहीं मिले। फिर पता चला कि सुनील लड़की को कानपुर में कहीं अपने साथ रखे हुए है। काफी प्रयासों के बाद 27 दिसंबर 2024 को पुलिस कानपुर से लड़की को बरामद कर लिया। बाल कल्याण समिति (सीडब्यूसी) के समक्ष पेश करने पर उसे मां-बाप के पास भेज दिया गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अपहरण के मुकदमे में सुनील के खिलाफ दुष्कर्म की धाराएं भी जोड़ दी गईं। मामले की जांच एएसपी (शहर) बी आदित्य कर रहे हैं। तीन दिन पहले पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि सुनील कानपुर में छिपा हुआ है। यहां से भेजी गई एक टीम ने उसे पकड़ा।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा सुनाई

पाली, (निसं)। पाली में पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के जज ने 11 माह पुराने मामले में सुनवाई की। जिसमें नौ साल की मासूम के साथ ज्यादती करने के अभियुक्त महेंद्र को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

पॉक्सो कोर्ट संख्या एक की विशिष्ठ लोक अभियोजक उपमा रावल ने बताया कि पाली जिले के एक थाने में 14 फरवरी 2024 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई, जिसमें बताया कि 13 फरवरी 2024 को उसकी 9 साल की बेटी रात करीब 10 बजे बिंदौली देख रही थी। कुछ देर बाद वह टॉयलेट करने गली में गई, जहां उसे अकेला देख महेन्द्र पुत्र तेजाराम ने उसके साथ ज्यादती की। इसकी जानकारी नाबालिग ने अपने परिजनों को दी। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की। 6 अप्रेल 2024 को आरोपी के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र पेश किए। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस और गवाहों के बयान सूनने के बाद 17 जनवरी को पाली के पोक्सो कोर्ट संख्या एक के जज सचिन गुप्ता ने फैसला सुनाया, जिसमें महेंद्र पुत्र तेजाराम को नाबालिग के साथ ज्यादती करने का दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

आभूषण लेकर भागी लुटेरी दुल्हन का नहीं लगा सुराग

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक और लुटेरी दुल्हन घर से जेवर नगदी लेकर चंपत हो गई। छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तब इस बारे में सूरसागर थाने में रिपोर्ट दी गई। लुटेरी दुल्हन और परिजन के खिलाफ चोरी एवं धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज हुआ है। महिला कर्नाटिका की रहने वाली है।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि रामदेव कॉलोनी, क्रिया का झालरा में रहने वाली एक महिला की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पुत्र की शादी गत साल कर्नाटिका की

- छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तो थाने में रिपोर्ट दी

रहने वाली भूमिका के साथ की गई थी। शादी में कुछ समय तक सब ठीक-ठाक चला मगर बाद में तीन जुलाई को उसकी पुत्रवधु भूमिका घर से शादी के समय दिए गए आभूषण अंगूठी, चेन, ब्रासलेट, कानों के टोप्स के साथ 72 हजार रूपए लेकर चंपत हो गई। वह वापिस नहीं लौटी।

इस बारे में उसके पिता किशन शर्मा और अन्य लोगों से बातचीत की गई मगर वे हमेशा आश्वासन देते रहे, मगर उसकी पुत्रवधु वापिस नहीं लौटी। पीड़ित महिला ने सूरसागर थाने में पुत्र वधु भूमिका, उसके पिता किशन शर्मा के खिलाफ अब धोखाधड़ी एवं चोरी का प्रकरण दर्ज करवाया है। रूपए और गहने अलमारी में रखे हुए थे जोकि चैक करने पर वहां नहीं मिले। सूरसागर पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है।

दो जोड़ी महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा महाकुंभ मेले 2025 के लिए गाड़ी संख्या 09421/09422,साबरमती-बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा (वाया गांधीनगर कैपिटल) (03 ट्रिप) तथा गाड़ी संख्या 09609/09610, उदयपुर सिटी-धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा (01 ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09421/09422, साबरमती-बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा (वाया गांधीनगर कैपिटल) (03 ट्रिप) गाड़ी संख्या 09421, साबरमती-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 19, 23 व 26 जनवरी को (03 ट्रिप) साबरमती से 10.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 14.45 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09422, बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा 20, 24, 27 जनवरी को (03 ट्रिप) बनारस से 19.30 बजे रवाना होकर मध्यरात्रि 01.25 बजे साबरमती पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09609/ 09610, उदयपुर सिटी-धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा (01 ट्रिप) गाड़ी संख्या 09609, उदयपुर सिटी-धनबाद स्पेशल रेलसेवा उदयपुर सिटी से 19 जनवरी को 13.00 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 20.55 बजे आगमन व 21.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21.00 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09610, धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा धनबाद से 21 जनवरी को 23.00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 01.30 बजे आगमन व 01.40 बजे प्रस्थान कर 09.40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी।

अतिक्रमण कर बनाई गई कांग्रेसी नेता की क्रिकेट अकादमी को ध्वस्त किया

यह क्षेत्र करीब 24 हजार स्क्वायर फीट था, जबकि अन्य लोगों का अतिक्रमण 14 हजार स्क्वायर फीट था

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण ने शनिवार को अनंतपुरा इलाके में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 38 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाया है। इस कार्रवाई में आधा दर्जन बुलडोजरों का इस्तेमाल किया गया। कार्रवाई के दौरान पक्के निर्माण के साथ-साथ अधूरे निर्माण को भी तोड़ा गया है। कार्रवाई कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह के पूर्व अध्यक्ष अमीन पठान के खिलाफ की गई है। उन पर अतिक्रमण का आरोप था जिसमें क्रिकेट अकादमी का निर्माण भी शामिल था।

- कोटा विकास प्राधिकरण ने अनंतपुरा इलाके में 38 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाया

कोटा विकास प्राधिकरण ने (केडीए) बताया कि यह क्षेत्र करीब 24,000 स्क्वायर फीट था जबकि अन्य लोगों का अतिक्रमण 14,000 स्क्वायर फीट था। केडीए के तहसीलदार सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि अमीन पठान और अन्य तीन-चार व्यक्तियों के अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है। इसमें क्रिकेट अकादमी के अलावा खाली पड़ी जमीन पर बनाए गए दो-तीन कमरे भी शामिल थे। इन जमीनों पर कब्जा करके उनके चारों ओर फेंसिंग का काम शुरू करवा दिया गया है। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया था जिसमें रैपिड एक्शन फोर्स, आरएसी, पुलिसकर्मी और होमगार्ड के जवान शामिल थे। कोटा शहर पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर शर्मा और तहसीलदार सुरेंद्र शर्मा भी इस कार्रवाई में मौजूद थे। इससे पहले वन विभाग की टीम ने भी आरोप लगाया था कि क्रिकेट अकादमी वन विभाग की जमीन पर बनाई गई थी। इसके बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए क्रिकेट पिच पर गड्ढे करके वहां पौधरोपण किया था।

कोटा विकास प्राधिकरण ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

70 लाख के लेनदेन में व्यापारी की हत्या की आशंका

व्यापारी ने पहले ही जान का खतरा जताया था

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा में एक व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। हरियाणा के हिसार जिले के मोहब्बतपुर निवासी राकेश कुमार का शव भादरा के शेरपुरा बस स्टैंड के पास एक खेत में मिला। मृतक के भाई कुलदीप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

कुलदीप के अनुसार, उनका भाई राकेश कुमार 17 जनवरी को दोपहर करीब 12:15 बजे भादरा के लिए निकला था। उनका तीन लोगों- संदीप (रणसिंह का पुत्र), अनिल और सुनील (दोनों हिसार निवासी) के साथ 70 लाख रुपए का लेनदेन था। इन्हीं तीनों ने राकेश को पैसों के लिए भादरा बुलाया था। घटना की जानकारी देते हुए कुलदीप ने बताया कि जाते समय राकेश ने उन्हें आशंका जताई थी कि पैसों के लिए उनकी जान को खतरा हो सकता है। देर रात तक घर नहीं पहुंचने और फोन बंद मिलने पर परिजन चिंतित हो गए। तलाश के दौरान 18 जनवरी की रात करीब 12:30 बजे शेरपुरा बस स्टैंड के पास राकेश की मारुति-800 कार मिली और उससे लगभग 20 फीट दूर खेत में उनका शव पड़ा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी भूपसिंह सहारण के नेतृत्व में टीम घटना की जांच में जुटी है। परिजनों ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है।

शादी से लौट रहे परिवार की कार दीवार से टकराई, पिता-पुत्री की मौत

पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती कराया

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी कस्बे के नाना भुखिया गांव के पास स्टेट हाइवे-10 पर शुक्रवार रात्रि को विवाह समारोह से लौट रहे आनंदपुरी निवासी जैन परिवार की कार घर से दो किलोमीटर की दूरी पर सड़क किनारे दीवार से जा टकराई। हादसे में कार चालक व उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार आनंदपुरी निवासी राहुल जैन (40) पुत्र महीपाल आंजना गांव में अपने मामा के लड़के के विवाह समारोह से शुक्रवार रात्रि को वापस घर आ रहे थे। कार में उसकी पत्नी सुरभी (35), बेटा आर्जव (14) व बेटी ओमी (8) माह भी साथ थे। रात्रि 9.30 बजे के लगभग नाना भुखिया गांव में स्टेट हाइवे-10 पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक मकान की नींव की दीवार से जा टकराई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए व घटना की जानकारी उनके परिजनों व समाजजनों को दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी को कार से बाहर निकाल कर 108 की मदद से आनंदपुरी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर सभी की स्थिति गंभीर होने से उन्हें रेफर किया गया। रास्ते में राहुल व उसकी 8 माह की बेटी ओमी ने दम तोड़ दिया जबकि उसकी पत्नी सुरभी व बेटे आर्जव को उदयपुर गीतांजलि अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अंकुर जैन कि रिपोर्ट पर आनंदपुरी पुलिस ने कार दुघर्टना को मर्ग में दर्ज कर दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा।

- घर से दो किमी की दूरी पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार सड़क किनारे दीवार से टकरा गई थी

दीवार से टकराने के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई।

पिता-पुत्री की एक साथ हुई अंत्येष्टि :- राहुल व उसकी बेटी की एक साथ अंतिम यात्रा निकाल कर मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रिश्तेदार, समाजजन सम्मिलित हुए। ग्रामीणों ने बताया कि आनंदपुरी कस्बे में पिता-पुत्री की एक साथ मौत एवं सामुहिक अंतिम यात्रा की यह पहली घटना है।

राहगीर को ट्रक ने कुचला, मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बॉडी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाई। अज्ञात ट्रक ड्राइवर की तलाश की जा रही है। मामला जिले के गुड़ाएंदला थाना इलाके के गुंदोज गांव का है। हादसा शुक्रवार रात को हुआ। पुलिस के अनुसार गुड़ाएंदला थाना क्षेत्र के गुंदोज गांव की गोशाला के पास शुक्रवार रात पैदल जा रहे भांवरी गांव निवासी दिलीप रावल (45) पुत्र प्रभुदान को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दिलीप के सिर में गंभीर चोट लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर घायल

पाली, (निसं)। पाली में एक सड़क हादसे में एक भाई की मौत हो गई और दूसरा गंभीर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार सिरोही जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र के नांदिया गांव निवासी 40 साल के भंवरलाल पुत्र राणाराम भील उसका छोटा भाई 25 वर्षीय पीराराम भील दोनों गुरलाई के निकट कोयला बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार शाम को दोनों अपने गांव नांदिया (सिरोही) के लिए बाइक पर रवाना हुए। सुमेरपुर के निकट इनकी बाइक मवेशी से टकरा गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सुमेरपुर हॉस्पिटल लाया गया। जहां 40 साल के भंवरलाल की मौत हो गई। उसकी बॉडी सुमेरपुर हॉस्पिटल की मॉच्र्युरी में पुलिस ने रखवाई। गंभीर घाल पीराराम को प्राथमिक उपचार के बाद पाली के बांगड़ हॉस्पिटल शुक्रवार देर शाम को लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन्होंने किश्तों पर बाइक ले रखी थी। किश्त भरने के लिए दोनों भाई शुक्रवार को बाइक से गांव के लिए रवाना हुए थे, ताकि किश्त भरकर आ सके और परिवार से भी मिल सके, लेकिन्न बीच रास्ते में हादसा हो गया।

- किश्त भरने के लिए गांव जा रहे थे, रास्ते में मवेशी से टकराई बाइक

अनियंत्रित कार खड्डे में गिरी, किशोर सहित दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप बड़गांव थाना क्षैत्र में अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे में जा गिरी। हादसे में कार में सवार किशोर सहित दो जनों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में बड़गांव थाना क्षैत्र लोयरा गांव रोड़ के समीप अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे मे जा गिरी। हादसे में पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसको देख आए लोगों ने बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया, घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय में पहुंचाया, जहां पुलां निवासी पियुष (17) डांगी पुत्र तुलसीराम डांगी तथा शैलू गोगुन्दा निवासी जगदीश (32) पुत्र देवीलाल डांगी, बबलु पुत्र भंवरलाल डांगी निवासी शैलू गोगुन्दा तथा किशन पुत्र धर्मा डांगी निवासी शैलू को बाहर निकाल उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पियुष व जगदीश की मौत हो गई।

- दो युवक घायल, उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया
- शादी समारोह में शामिल होने गए थे कार सवार, रास्ते में हादसा हुआ

इधर, सूचना मिलने पर बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एएसआई रोशनसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच का घटनास्थल की जानकारी ली। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि रात में कार चालक शैलू गोगुन्दा निवासी गेगा डांगी के साथ पियुष, जगदीश, बबलू, किशन व साथी थूर गांव निवासी कन्हैयालाल डांगी के पुत्री की शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जहां से वापस लौटते समय हादसा हो गया। सूचना मिलने पर एएसआई रोशनसिंह ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

भारत में एथलेटिक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और युवाओं को खेल में शामिल करने से कई चीजों में बदलाव लाने की ताकत है जिसमें देश में खेलों का विकास भी शामिल है। - मो. फराह

महान धावक, टाटा मुंबई मैराथन के 20वें सत्र में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्लिचफेल्ट

बैडमिंटन की विश्व नंबर 23 खिलाड़ी डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान दिल्ली और इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की स्थितियों की कड़ी आलोचना की। गुरुवार को महिला एकल के दूसरे दौर में हारने वाली ब्लिचफेल्ट ने दिल्ली में स्टेडियम की स्थिति और प्रदूषण पर निराश व्यक्त की है। ब्लिचफेल्ट को लगता है कि, इसके कारण उनकी सारी तैयारी बर्बाद हो गई क्योंकि वह लगातार दूसरे साल टूर्नामेंट के दौरान बीमार पड़ गई। आखिरकार भारत में एक लंबे और तनावपूर्ण सप्ताह के बाद आखिरकार घर पहुंच गई हूं।

क्या आप जानते हैं ?... रोनाल्डो ने ऑफिशियली पेले का रिकॉर्ड तोड़ा, फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा 770 गोल दागने वाले खिलाड़ी बने।

रोहित खेलेंगे रणजी मुकाबला

मुंबई, 18 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। इसके साथ ही रणजी ट्रॉफी में कप्तान रोहित शर्मा के खेलने का भी ऐलान हो गया है। दरअसल, रोहित शर्मा ने रणजी ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए हैं। उन्होंने मुंबई की रणजी स्क्वॉड के साथ प्रैक्टिस किया था। मुंबई का 23 जनवरी से जम्मू-कश्मीर से सामना होना है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रोहित शर्मा ने ये भी बताया कि वह पीछे क्यों रणजी ट्रॉफी नहीं खेल पा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। उन्होंने आखिरी टेस्ट में खुद को बाहर बैठने का भी फैसला किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रोहित शर्मा ने ये भी कहा कि, वह पीछे क्यों रणजी ट्रॉफी नहीं खेल पाए थे। रोहित ने आखिरी बार रणजी मैच नवंबर 2015 में खेला था। रोहित ने कहा कि, पिछले 6-7 सालों में अगर आप हमारे कैलेंडर को देखें तो हम क्रिकेट के दौरान 45 दिनों तक घर पर नहीं बैठे हैं। जब आईपीएल खत्म हो जाता है तो आपको समय मिल जाता है उसके बाद कुछ नहीं होता।

केएल राहुल और कोहली नहीं खेलेंगे रणजी ट्रॉफी मुकाबला

नई दिल्ली, 18 जनवरी। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के अगले राउंड के मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने बीसीसीआई मेडिकल स्टाफ को बताया है कि उन्हें तकलीफ है जिस कारण वो रणजी मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। विराट कोहली को गर्दन में दर्द था और उन्होंने सिडनी में बीजीटी खत्म होने के तीन दिन बाद 8 जनवरी को इंजेक्शन लिया था। कोहली ने बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ को बताया कि उन्हें अभी भी दर्द हो रहा है, जिसके कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल की बात करें तो उनके कोहनी में चोट है, जिसके कारण वह बेंगलुरु में पंजाब के खिलाफ कर्नाटक के मैच से बाहर रहेंगे। गुरुवार को बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के लिए क्या करें और क्या न करें की एक लिस्ट जारी खी थी। उसमें सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया गया था। इसमें कहा गया था कि अगर खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हैं तो उन्हें इसके लिए चेयरमैन ऑफ सेलेक्टर्स से अनुमति लेनी होगी।

राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब का दूसरा मैच गोवा की टीम डेंपो के साथ आज होगा

जयपुर, 18 जनवरी। आईपीएल की तर्ज पर पहली बार वीर भूमि राजस्थान में आयोजित होने जा रही आई-लीग फुटबाल प्रतियोगिता का धमाकेदार आगाज राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के होम ग्राउंड जयपुर में 9 जनवरी से शुरू होने चुका है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित इस लीग में जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को 3 बजे से मैच शुरू होगा। आज सेकंड मैच गोवा की टीम डेंपो के साथ होगा। वहीं खेल मामलात राज्य मंत्री केके बिश्नोई चीफ गेस्ट रहेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे बुमराह : अगरकर

मुंबई, 18 जनवरी। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए फिट नहीं हो पाएंगे जिसके कारण हर्षित राणा को उनकी जगह शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वे मुख्य तेज गेंदबाज की स्थिति पर मेडिकल टीम से अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

बुमराह को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल किया गया है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस में अगरकर ने कहा, "बुमराह को पांच सप्ताह के लिए आराम करने को कहा गया है जिससे वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं हो पायेंगे। हम उनकी फिटनेस का इंतजार कर रहे हैं और हमें मेडिकल टीम से उनकी स्थिति के बारे में फरवरी की शुरुआत में पता चलेगा। पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बुमराह

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के पांचवें दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंतिम टीम 11 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को सौंपनी होगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। इसस पहले भारत छह, नौ और 12 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ तीन द्विपक्षीय वनडे मैच खेलेगा। पिछले साल अगस्त में श्रीलंका दौरे के बाद से भारतीय टीम की यह 50 ओवर की पहली श्रृंखला होगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुनदार, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

हर टीम के कुछ नियम होते हैं और खेलते वक्त आप नियमों को फॉलो करते हैं

बीसीसीआई ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम इंडिया की हार के बाद खिलाड़ियों के लिए कुछ नए नियम बनाए। नए नियमों को 10 पॉइंट्स में बांटा गया, जिसमें घरेलू क्रिकेट खेलने से लेकर दौरे पर खिलाड़ियों का परिवार के साथ नहीं जाना शामिल था। अब इन नियमों पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने सवाल खड़े किए हैं साथ ही चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि ये कोई स्कूल नहीं है।रोहित शर्मा से बीसीसीआई की नई पॉलिसी के बारे में सवाल पूछा गया जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि, आपको इन नियमों के बारे में किसने बताया?

हेड कोच गौतम गंभीर के साथ अनबन की खबरों पर कप्तान रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, 18 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। जिसके बाद बीजीटी में रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज 3-1 से हार गई। वहीं इसके बाद से ही भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच अनबन की खबरे सामने आईं। मीडिया

रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रोहित शर्मा और गौतम गंभीर में सबकुछ ठीक नहीं है, दोनों के बीच अनबन चल रही है, लेकिन इन दावों की सच्चाई कप्तान रोहित शर्मा ने सामने रख दी है। रोहित ने गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्ते की सच्चाई बताई है।रोहित शर्मा ने कहा कि हेड कोच गौतम गंभीर उस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करते तो बतौर कप्तान आपको मैदान पर करना होता है। वह पूरी तरह आपके फैसले के साथ होते हैं, वह कप्तान के तौर पर आपके फैसले पर भरोसा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे हेड कोच गौतम गंभीर बातें तब करते हैं, जब मैं ऑफ द फील्ड होता हूं। तब हमारे हेड कोच जरूर बताते हैं कि क्या करना है? आगे की रणनीति क्या होगी। लेकिन जब कप्तान के तौर पर मैं मैदान पर होता हूं तो गंभीर हस्तक्षेप नहीं करते। हम लोग एक-दूसरे की प्रक्रिया में भरोसा करते हैं हम दोनों के रिश्ते अच्छे हैं। पिछले दिनों टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पडी। वहीं भारत ने करीब 10 साल बाद बीजीटी गंवाई। इस हार के बाद कहा गया कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों और हेड कोच में नहीं बन रही है। साथ ही कप्तान के साथ ही कोच की अनबन है। दोनों दिग्गजों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

राजस्थान ने महाराष्ट्र को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

राजस्थान की जीत में आयुषी, शानू, कौशल्या, डिंपल व सिद्दी का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 18 जनवरी। त्रिवेंद्रम में खेली जा रही बीसीसीआई की वीमेन अंडर 23 टी20 ट्रॉफी में आज राजस्थान ने महाराष्ट्र को 9 विकेट से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। राजस्थान की जीत में आयुषी गर्ग का नाबाद अर्धशतक व कौशल्या चौधरी, शानू, सिद्दी शर्मा की शानदार गेंदबाजी। महाराष्ट्र पारी 109/7, टीम के लिए आयशा 29, के ऍन मुल्ला 29, ऐश्वरी सावरकर 28 रनो का योगदान दिया। राजस्थान की गेंदबाज शानू 12/3, कौशल्या चौधरी 12/2, डिंपल कँवर 8/2, सिद्दी शर्मा 15/1 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य को राजस्थान टीम ने कप्तान आयुषी गर्ग की शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी की सहायता से 1 विकेट के नुकसान पर 110 रन बनाते हुए मैच में 9 विकेट जीत प्राप्त की। आयुषी गर्ग ने अपनी नाबाद 58 रनो की अर्धशतकैय पारी में 66 गेंदों का सामना किया जिसमे 5 चोक्के लगाए। टीम के लिए डिंपल कँवर 29 व ज्योति चौधरी नाबाद 16 रनो का योगदान दिया।

हैदराबाद तूफान ने रोका तमिलनाडु ड्रैगन्स का विजय रथ

रांची, 18 जनवरी। हैदराबाद तूफान ने हीरो हॉकी इंडिया लीग में शनिवार को तमिलनाडु ड्रैगन्स को 4-0 से हरा दिया। ड्रैगन्स की सीज़न की यह पहली हार है। गोंज़ालो पेइलाट ने 21वें और 48वें मिनट में दो गोल दागे जबकि आर्थर डी स्लोओवर ने 31वें और टिम ब्रांड ने 33वें मिनट पर अपनी टीम के लिये स्कोर किया। इस जीत के साथ हैदराबाद तूफान सात मैचों में 13 अंकों के साथ लीग स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। ड्रेगन्स 15 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। मैच की शुरुआत बराबरी से हुई, पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने कुछ मौके बनाए। ड्रेगन्स पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करने के करीब थे, लेकिन हैदराबाद के गोलकीपर विकास दहिया ने उन्हे ऐसा करने की इजाजत नहीं दी।

इंडिया ओपन : सिंधु और किरण क्वार्टरफाइनल में हारे, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 18 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शुक्रवार को इंडिया ओपन सुपर 750 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में पेरिस कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से हारकर बाहर हो गईं जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर भारतीय उम्मीद कायम रखी।

2022 की चैम्पियन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के जिन योंग और कांग मिन ह्यु की जोड़ी को महज 41 मिनट में 21-10, 21-17 से हरा दिया। इस जोड़ी का यह टूर पर लगातार तीसरा सेमीफाइनल है। यह जोड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और मलेशिया सुपर 1000 के अंतिम चार में पहुंची थी। इससे पहले पूर्व चैंपियन सिंधू ने शुरुआती एकतरफा गेम हारने के बाद जोरदार वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में लड़खड़ा गईं और 62 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 9-21, 21-19, 17-21 से पराजित हो गईं।

पुरुष एकल में भारत की एकमात्र उम्मीद किरण जॉर्ज थे लेकिन उन्हें चीन के होंग यांग वेंग से 13-21, 19-21 से हार मिली। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मैच की शुरुआत जबरदस्त रैली से की और फिर उन्होंने पूरी तरह से दबदबा बना लिया। भारतीयों ने रैलियों को छोटा रखा, लगातार हमले किए और क्रिस-क्रॉस नेट प्ले किया, जिससे ब्रेक तक 11-3 की बढ़त हो गई।

भारतीय लगातार आगे बढ़ते रहे और 18-8 की बढ़त हासिल कर ली। सात्विक और चिराग ने जल्द ही दो और स्मैश के साथ 11 गेम प्वाइंट हासिल कर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिन और कांग ने शुरुआत में 4-3 की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन यह ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रही। भारतीयों ने लगातार शॉट्स से स्कोर 9-4 कर दिया और फिर सात्विक के 'डाउन-द-लाइन' स्मैश के बाद ब्रेक तक पांच अंक की बढ़त बना ली। कोरियाई खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए स्कोर 13-15 किया और 37 शॉट की रैली जीतकर स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया।

हालांकि सिंधू ने ब्रेक के तुरंत बाद अंतर कम किया और अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। पर तुनजुंग 17-14 पर पहुंच गई। लेकिन सिंधू ड्रॉप और नेट शॉट से बराबरी पर पहुंच गईं। तुनजुंग ने फिर तीन मैच प्वाइंट हासिल किए और सिंधू के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद क्रॉस-कोर्ट विनर के साथ मैच जीत लिया। किरण ने इससे पहले अपने प्रतिद्वंद्वी वेंग को हराया था और उन्हें इसी प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन वेंग पूरी तैयार के साथ आये थे और उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को खतरा नहीं बनने दिया। उन्होंने 7-6 की बढ़त को ब्रेक तक 11-6 कर दिया।

किरण ने इस अंतर को कम किया लेकिन वेंग ने लगातार छह अंक जुटाकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे में वेंग 6-2 से आगे हो गये और इसे 10-7 कर दिया। किरण ने वापसी कर स्कोर 11-11 से बराबर किया और वेंग की दो गलती से यह भारतीय 16-14 से बढ़त बनाने में सफल रहा। लेकिन चीनी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए इसे अपने नाम कर मैच जीत लिया।

रविचंद्रन की स्मरणीय पारी की मदद से कर्नाटक ने ठोके 348 रन

वडोदरा, 18 जनवरी। रविचंद्रन स्मरण (101) की कृष्णन श्रीजीत (78) और अभिनव मनोहर (79) के साथ एक के बाद एक शतकीय भागीदारी की मदद से कर्नाटक ने विजय हजारे ट्राफी के फाइनल मुकाबले में शनिवार को छह विकेट पर 348 रन ठोक दिये और विदर्भ को जीत के लिये प्रति ओवर लगभग सात रन बनाने की चुनौती दी। कोटाम्बी स्टेडियम पर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला विदर्भ के लिये शुरुआती ओवर में मुनासिब जान पड़ा जब कप्तान मयंक अग्रवाल (32), देवदत्त पड्डिक्कल (8) और केवी अनीस (23) के विकेट 67 रन पर उखड़ चुके थे मगर आज कर्नाटक के मध्यक्रम की बारी थी और इस कसौटी पर वे खरे भी उतरे। रविचंद्रन ने पहले श्रीजीत के साथ 160 रन की भागीदारी कर टीम को संकट से उबारा और बाद में अभिनव मनोहर के साथ मिल कर 106 रन की एक और भागीदारी कर विदर्भ के सामने मजबूत चुनौती पेश कर दी। रविचंद्रन ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 92 गेंदे खेल कर सात चौके और तीन छक्के लगाये। वह पारी के 49वें ओवर में दर्शन नालकंडे का शिकार बने। इससे पहले श्रीजीत का विकेट यश कदम ने निकाला। अभिनव ने मात्र 42 गेंदो की पारी में धुआंधार प्रदर्शन करते हुये दस चौके और चार आसमानी छक्के लगा कर वहां मौजूद दर्शकों को भरपूर मनोरंजन किया। विदर्भ की ओर से दर्शन नालकंडे और नाचिकेत भूटे को दो दो विकेट मिले वहीं यश ठाकुर और यश कदम के हिस्से में एक एक विकेट आया।

राजधानी

ग्राम स्वराज को जमीनी स्तर पर लागू कर रही सरकार : नरेन्द्र मोदी

आत्मनिर्भर गांवों से बनेगा आत्मनिर्भर भारत : भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए एवं लाभार्थियों से संवाद किया। प्रदेश में लगभग 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड एवं पट्टें वितरित किए गए तथा श्रीगंगानगर जिले की लाभार्थी रचना से प्रधानमंत्री ने संवाद भी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हने वाले लोगों को उनकी आवासीय संपत्तियों के कानूनी दस्तावेज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना की शुरुआत की गई थी तथा इस योजना के तहत अब तक गांवों में लगभग 2.25 करोड़ लोगों के संपत्ति कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से ऋण लिया है तथा अपने गांवों में छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं जिससे छोटे और मध्यम किसान परिवारों के लिए संपत्ति कार्ड आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बन गए हैं।

साथ ही, कानूनी प्रमाण पत्र मिलने से कई परिवार अवैध कब्जों और लंबे समय तक चलने वाले अदालती विवादों के संकट से मुक्त हो रहे हैं। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ग्राम स्वराज को

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये स्वामित्व कार्ड व पट्टा वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल ने संबोधित किया।

जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है और स्वामित्व योजना ने ग्राम विकास के नियोजन और क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं में गांव और गरीब को केन्द्र में रखकर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है, क्योंकि गांवों के मजबूत व आत्मनिर्भर होने से ही देश आत्मनिर्भर एवं विकसित होगा।

शर्मा ने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्राम सुशासन और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों को उनके अधिकार प्रदान करने की दिशा में यह दूरदर्शी कदम है, जिससे गांवों का समग्र विकास एवं ग्रामीण परिवारों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना पूरी तरह से वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया है, जो ग्रामीणों के लिए उनके संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करती है। इस योजना में ड्रोन तकनीक से गांव के आबादी क्षेत्र का सर्वेक्षण किया जाता है और डिजिटल मैप के आधार पर भू-स्वामित्व धारकों को स्वामित्व कार्ड और पट्टा दिया जाता है। इन संपत्ति कार्डों ने ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान कर उनके लिए ऋण लेना आसान बना दिया है, जिससे ग्रामीण नागरिक सशक्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत 35 हजार 955 ग्रामों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा आज 1 लाख 50 हजार से अधिक कार्ड का वितरण किया जा रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि इन परिवारों को अपना घर मिल सके।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए**
- **प्रदेश में लगभग 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को मिले स्वामित्व कार्ड एवं पट्टे**

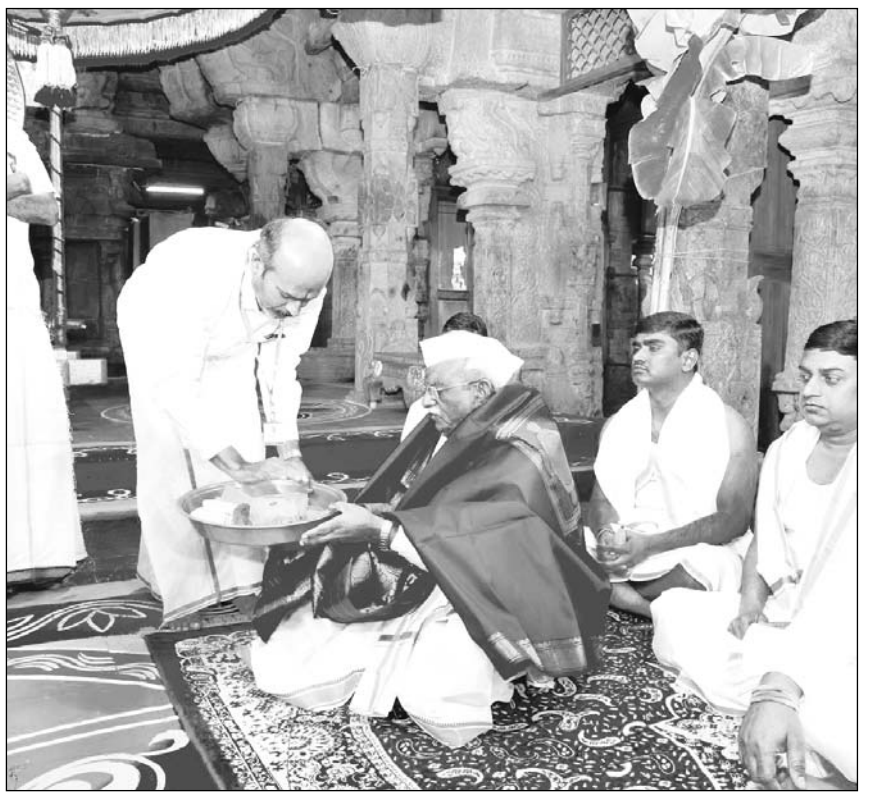

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम पहुंचकर भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। इस अवसर पर राज्यपाल ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना की और राजस्थान सहित समस्त देशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल के मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

'वसुधैव कुटुंबकम' विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान : खत्री

जयपुर। पूरी दुनिया विभिन्न समस्याओं से त्रस्त है। भारत का विचार 'वसुधैव कुटुंबकम' विश्व की इन समस्त समस्याओं का समाधान है। यह बात प्रखर वक्ता एवं आरएचआरडी संरक्षण जसवंत खत्री ने कही। जसवंत खत्री शनिवार को प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास सांगानेर, ए.यू बैंक एवं पूर्णिमा ग्रुरप के संयुक्त तत्वावधान में सीतापुरा स्थित पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलॉजी मे चल रहे दो दिवसीय 'द ढूंढाड टॉक्स-2025' कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

मुख्य वक्ता खत्री ने कहा कि दुनिया के दो सौ देशों में घूमकर आने वाले को 'उसे बचाओ-बचाओ' जैसे आवाजें निश्चित सुनाई देगी। इन समस्त समस्याओं का समाधान दुनिया के अन्य देशों के पास नहीं है। यह केवल भारत के पास है।

पुलिस ने कारपेंटर बनकर 40 हजार के इनामी तस्कर को गुजरात से पकड़ा

पुलिस को आरोपी को पकड़ने के लिए एक हजार किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा

- गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अलग-अलग जगह पर रहकर मारवाड़ में नशे का कारोबार चलाता था तस्कर
- आरोपी बीते छह साल से फरार चल रहा था जो कुख्यात भगौड़ा आरोपियों में शामिल है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज की साइक्लोनर टीम ने 40 हजार के इनामी अपराधी को पकड़ा है। पुलिस को उसे पकड़ने के लिए एक हजार किलोमीटर का सफर तय करने के साथ कारपेंटर भी बनना पड़ा। आरोपी को गुजरात राज्य से पकड़ा जा सका। आरोपी टॉप 25 में शामिल था।

जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी मुंबई की लोकल ट्रेन में चढ़कर पैसेंजर से मोबाइल लेकर अपने लोगों से संपर्क करता था। फिर इसके बाद फिर वहां से अपने ठिकाने पर पहुंच जाता था। गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अलग-अलग जगह पर रहकर मारवाड़ में नशे का कारोबार चलता था। पुलिस को तस्कर के कई सारे सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार के अनुसार साइक्लोनर टीम ने राजस्थान के टॉप-25 में आरोपियों में शामिल आरोपी प्रकाश चाहर को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी बीते छह साल से फरार चल रहा था। कुख्यात भगौड़ा आरोपियों में शामिल है। अभी तक की जानकारी के अनुसार आरोपी जालोर, सिरोही, जोधपुर कमिश्नरेट और बाड़मेर चार मुकदमों में वांटेड है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइक्लोनर टीम ने तीन माह तक लगातार पीछा करने पर गुजरात के नवसारी से गिरफ्तार किया है। हमारी टीमें जो मुख्य सरगना और मादक पदार्थ के सप्लायर पर फोकस कर रखा है। करीब-करीब 40 किंगपिन पकड़े गए है। जिसमें यह बहुत बड़ा कैच है। आरोपी प्रकाश चाहर 11-12 सालों से मादक पदार्थ का कारोबार कर रहा है। आरोपी ने उदयपुर में किसी रिश्तेदारों के साथ लकड़ी के व्यापार से अपना कारोबार शुरू किया। वहां से फिर मार्बल का काम शुरू किया। काम की थकान मिटाने के लिए अफीम व डोडा चूरा-लेना शुरू किया। फिर उससे अमीर बनने का सपना देखा। लंबे समय मादक पदार्थ नेटवर्क जो चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से चलता है। धीरे-धीरे उसका सरगना बन बैठा।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि इस ऑपरेशन का नाम "ऑपरेशन तमस" रखा गया। क्योंकि नशे के जहर के माध्यम से लोगों के जीवन में अंधेरा फैला रहा था। विडंबना थी कि उसका खुद का नाम प्रकाश था। खुद का नाम प्रकाश और समाज के जीवन में अंधेरा फैलाने का काम इसलिए इसका नाम ऑपरेशन तमस रखा गया था। आरोपी प्रकाश ने निम्बाहेड़ा के छोटे से कस्बे में रहना शुरू किया। वहीं से डोडा-पोस्त व अफीम इकट्ठा करता था। अपने गुर्गों के माध्यम से मारवाड़ में सप्लाई करता था। इसका खेल काफी लंबे समय तक चलता रहा। टीम इसको पकड़ने के लिए निम्बाहेड़ा इसके ठिकाने पर पहुंची। वहां से यह छत से कूदकर बाइक पर भागने पर सफल हो गया। यह करीब दो माह पहले की बात है। इसके बाद इसने अपना ठिकाना मुंबई में जमाया।

आरोपी प्रकाश चाहर के साले को पकड़कर उससे पूछताछ की गई तो पता कि प्रकाश मुंबई में रह रहा है। वहीं से यह बीच-बीच में फोन करता रहा। यह शातिर तरीके से काम करता था। वहां पर लोकल ट्रेन में चढ़ता था। वहां पर पैसेंजर से फोन लेकर के अपने गुर्गों को फोन करता था। फिर वापस ट्रेन से उतर जाता था। इस वजह से उसका ठिकाना ढूंढने में मुश्किलें आई। टीम ने लगातार निगरानी रखकर देखा कि कब ट्रेन से चढ़ता है और कब आखिरी कॉल करता है। तब यह पेटर्न पुलिस के पास आया। तब हमें जानकारी मिली कि मुंबई के भांयदर इलाके में रहता है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि टीम मुंबई के भायंदर इलाके में करीब 15 दिन तक रही। लेकिन उसका कोई ठिकाना नहीं होने के कारण तलाश की। जब हमने वहां पर लकड़ी के काम करने वाले लोगों से संपर्क किया। तब वहां पर काम करने वाले लोगों ने बताया कि बड़े रईश की तरह रहता है। बड़े-बड़े शौक रखता है और लकड़ी का कारीगर है। उस ठिकाने पर जब हम पहुंचे तो वहां से दो दिन पहले वह निकल चुका था। तकनीकी के आधार पर उसका लोकेशन गुजरात के नवसारी में होना सामने आया। सूरत से आगे नवसारी जिले में होने की जानकारी मिली। टीम वहां पर 5 दिन तक रुकी। वहां पर हमारी टीम लकड़ी का कारीगर बनकर नौकरी खोजते रहे। नवसारी की बिल्ली मोरा इलाके में एक दुकान पर लकड़ी का काम खोजते हुए पहुंच तो वहां पर एक कारीगर के माध्यम से आरोपी तक पहुंचे। आरोपी ने मादक पदार्थ का कारोबार मारवाड़ में फैलाया हुआ था। वहां पर दिन के समय लकड़ी का काम करता था। रात में नशे का कारोबार करता था। आरोपी पर अवैध हथियार, एनडीपीएस सहित सात मुकदमें अलग-अलग जगहों पर है। सदर थाने में इलाके में भी दो मामले दर्ज है। इसमें आलू की आड़ में डोडा-पोस्त की सप्लायर के रूप में इसका नाम है।

साइबर फ्रॉड की अंतर्राज्यीय गैंग के छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.40 लाख की नगदी बरामद की

- बैंक के खाते में चार लाख 97 हजार रुपए होल्ड करवाए
- पुलिस मामले में गहराई से अनुसंधान कर रही है, आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना जताई

बौंली-बामनवास, (निसं)। पुलिस ने साइबर फ्रॉड की अंतरराज्यीय गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगद राशि बरामद की है। आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश एवं सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजकुमार कस्वा के सुपरविजन में चलाए जा रहे एंटीवायरस अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह रावत थाना साइबर क्राइम के नेतृत्व में गठित टीम ने साइबर क्राइम पर कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड के अंतर्राज्यीय गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस मामले को लेकर एसबीआई शाखा कलेक्ट्रेट सवाई माधोपुर के प्रबंधक सीताराम मीणा ने 17 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि कृपा फोर व्हीलर प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर जगदीश के नाम से अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया और बैंक के खाते की चेकबुक खत्म होने का बहाना बनाकर अर्जेंट भुगतान करने और एक करोड़ रुपए की पॉलिसी कराने का लालच व्हाट्सएप पर फर्जी पत्र भेजकर 14 लाख 57हजार रुपए चांद इंटरप्राइजेज मुरादाबाद के खाते में भुगतान कर लिया। इस पर थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं सहित आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाने के सहायक उप निरीक्षक फैयाज खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई जिसमें कांस्टेबल दिनेश व नफीस को शामिल कर आरोपियों की तलाश में दिल्ली, मुरादाबाद व गाजियाबाद भेजकर साइबर सेल की विशेष तकनीकी सहायता से आरोपी सलीम निवासी असगीरपुरा जाया थाना डिंडोली जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश खाता धारक, राजेश कुमार सैनी निवासी शाहपुर थाना डिटौली जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश खाता उपलब्ध कराने वाला, विक्की जाटव निवासी सलेमपुर थाना अमरोहा उत्तर प्रदेश बैंक से पैसे निकलने में सहायक व खाता खुलवाने वाला, प्रदीप कुमार जाट निवासी सुल्तानपुर फलेदा पोस्ट फतेहपुर बिश्नोई थाना पाक़बडा जिला मुरादाबाद, शुभम नारायण त्यागी निवासी बरनावा बागपत पुलिस थाना बिनोली बागपत उत्तर प्रदेश मास्टरमाइंड एवं आनंद उर्फ अभिषेक गुर्जर निवासी बीटा थाना इचोली जिला मेरठ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर 2 लाख 40 हजार रुपए बरामद किए गए हैं एवं यस बैंक के खाते में चार लाख 97 हजार रुपए होल्ड करवाए गए हैं।

आरोपियों द्वारा विभिन्न प्रकारों से गरीबों व अन्य लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाकर खुद का प्रतिशत लेकर अपने सरगना को पैसे उपलब्ध कराते थे। पुलिस मामले में गहराई से अनुसंधान कर रही है। आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

बदमाशों ने डंपर चालक से मारपीट की

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के गोठड़ा के पास देर रात को गाड़ी में सवार होकर आए बदमाशों ने डंपर ड्राइवर के साथ मारपीट की। इस दौरान बदमाशों द्वारा पिस्टल दिखाकर सड़क से हटाने का प्रयास भी किया। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में पहुंचकर घटना की जानकारी दी, लेकिन बदमाश पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए।

पीड़ित डंपर ड्राइवर चिरानी निवासी मुकेश कुमार पुत्र कैलाश चंद ने बताया कि वह रात करीब दस बजे खेतड़ी के खनन क्षेत्र से डंपर को भरकर सिंघाना की ओर जा रहा था। जब गोठड़ा के पास बनी पोल फैक्ट्री के पास पंहुचा तो सामने से आई हरियाणा नंबर की गाड़ी में पांच जने सवार होकर आए। इस दौरान उन्होंने डंपर के आगे गाड़ी लगा दी। जब डंपर ड्राइवर ने गाड़ी हटाने के लिए कहा तो गाड़ी में सवार दो जने उतरकर उसके पास आए और आते ही ड्राइवर के साथ मारपीट करने लगे। जब उन्होंने विरोध किया तो वह लोग वापस गाड़ी में गए और पिस्तौल निकालकर उन्हें डराया गया। पीड़ित डंपर ड्राइवर ने बताया कि नानूवाली बावड़ी से गोठड़ा तक सड़क का निर्माण कार्य कर रहा है, जिसके चलते एक ही साइड से वाहनों को निकाला जा रहा है। सड़क का निर्माण कार्य चलने के कारण सामने से वाहन आने पर उन्हें निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते सामने से आई हरियाणा नंबर की गाड़ी को जगह नहीं मिल पाने पर बदमाशों ने डंपर ड्राइवर व खलासी के साथ मारपीट कर पिस्टल दिखाकर गाड़ी हटाने का प्रयास किया। घटना के कुछ देर बाद डंपर ड्राइवर व खलासी खेतड़ीनगर थाने में पहुंचे तथा पुलिस को उनके साथ हुई घटना के बारे में अवगत करवाया। घटना की सूचना पर एचसी महिपाल सिंह मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे, लेकिन बदमाश मौके से फरार हो गए थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने हाथी के दांतों का उदाहरण देकर कांग्रेस पर निशाना साधा

- ग्रंथ लिखे जा सकते हैं, कैसे कांग्रेस ने लोकतंत्र के स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की : केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत
- 'महाकुंभ विश्व के लिए अनूठा उत्सव है, जहां स्वतः स्फूर्त भाव से देश-दुनिया से करोड़ों लोग श्रद्धा और उत्सुकता को लेकर आ रहे हैं'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि 1954 का कुंभ एकमात्र उदाहरण नहीं है, वहां से लेकर इमरजेंसी और 2014 तक, ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि किस तरह से कांग्रेस ने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री शनिवार सुबह दिल्ली से जोधपुर पहुंचे।

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि गांधी परिवार की राजनीति और कांग्रेस पार्टी का वर्तमान नेतृत्व देश-दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। उनका चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि हिंदी में एक कहावत है, "हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, खाने के कुछ और होते हैं", मुझे लगता है कि उनका चाल, चरित्र और चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। महाकुंभ के प्रबंधन पर शेखावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से प्रबंधन किया है, वो निश्चित रूप से अनूठा है, क्योंकि इससे पहले स्मरण कीजिए, कुंभ जब कभी भी देश में होते थे। 2013 के कुंभ में किस तरह से भगदड़ मची, उस समय सरकार ने किस तरह असंवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया था। शेखावत ने कहा कि 1954 में जब देश की आजादी के बाद में पहला कुंभ हुआ था, उस समय कुंभ की व्यवस्थाओं को देखिए, सरकार किस तरह से इन विषयों को लेकर उदासीन थी। नेहरू के कुंभ में जाने के कारण से, ऐसी लिखित रूप से लोगों ने स्टोरी की हैं, 1000 से ज्यादा लोग भगदड़ मचने के कारण दिवंगत हुए थे। शेखावत ने कहा कि अब विरासत का संरक्षण और विरासत का सम्मान करने वाली सरकार है। इस बार महाकुंभ की व्यवस्थाएं पहले से बहुत बेहतर हैं।

1954 में मीडिया की आजादी के सवाल पर शेखावत ने कहा कि 1954 केवल एकमात्र उदाहरण नहीं है, वहां से लेकर इमरजेंसी और 2014 तक पूरे ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि किस तरह से उन्होंने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की।

इंडी गठबंधन के कुंभ को लेकर कुछ न बोलने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि वो अवसरवादियों का संगठन है। लोकसभा चुनाव से पहले ऐसे सारे लोग, जो जेल यात्रा करके आए थे, वो एकसाथ एकत्रित हुए थे। मुझे नहीं लगता कि ऐसा आचरण और व्यवहार करने वाले लोगों, जिन्होंने पहले कुंभ को उदासीनता और संवेदनशीलता के साथ में देखा है, वो कुंभ की महत्ता और आस्था को समझते होंगे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि महाकुंभ विश्व के लिए अनूठा उत्सव है। जहां स्वत:स्फूर्त भाव से देश-दुनिया से करोड़ों लोग श्रद्धा और उत्सुकता को लेकर आ रहे हैं। कौतूहलवश दुनियाभर से लोग यह जानने के लिए आ रहे हैं कि इतना बड़ा आयोजन, कैसे किसी देश में एक स्थान पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन में सरकार का जिस तरह से प्रबंधन है, वो केस स्टडी है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान पर पांच करोड़ लोगों ने महाकुंभ में स्नान किया। आने वाली मौनी अमावस्या के दिन यह संख्या और भी बढ़ेगी।

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में19वें दिन भी धरना जारी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 19वें दिन भी हड़ताल जारी रही, जिसमें भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को विधायक सुरेश मोदी ने माला पहनाकर बोदूराम यादव छाजा की नांगल, विकास मीणा न्यौराणा, बलवीर मीणा न्यौराणा, रवि खटाणा न्यौराणा को धरने पर बैठाया।

19वें दिन भी धरने पर बैठे लोगों में जोश देखा गया और उनकी एकजुटता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन धीरे-धीरे इस आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जिससे इसका प्रभाव और भी व्यापक हो रहा है। यह समर्थन आंदोलन को मजबूती प्रदान कर रहा है और आगे भी इससे जुड़े लोग इस संघर्ष को निरंतर जारी रखने का संकल्प ले रहे हैं। कई प्रमुख नेता भी इस आंदोलन के समर्थन में सामने आए हैं, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल रही है।

विधायक सुरेश मोदी ने माला पहनाकर बोदूराम यादव छाजा की नांगल, विकास मीणा न्यौराणा, बलवीर मीणा न्यौराणा, रवि खटाणा न्यौराणा को धरने पर बैठाया।

महेश मेगोतिया उपाध्यक्ष नगरपरिषद, सत्यनारायण बल्लुपुरा, मोहम्मद सदीक, रामसिंह राजनगर, बलवीर खैरवा, शंकर गैसका भूदोली, बसंत यादव नाथा की नांगल, मदनलाल सैनी, गोपाल सैनी, रफीक कुरैशी, नरेश बढ़ाणा, महावीर स्वामी कितपूरा, रामजीलाल सैनी, रामनारायण सैनी हेमराजपुरा, रामलाल मीणा, फूलचंद यादव, राजेन्द्र आर्य, इदु खान, धर्मपाल सैनी, सूरजमल सैनी, सदीक कुरेशी, रामसिंह डांगी, धर्मवीर आगवाड़ी, विकास बिजारणियां, प्रेम यादव, रोशन लाका ने अपना समर्थन संघर्ष समिति को दिया।

किसान की मौत

उदयपुर, (निसं)। खेत पर काम करते समय किसान की हार्टअटेक से मौत हो गई। सुखेर थाना क्षेत्र प्रतापपुरा अम्बेरी निवासी दिपलाल (39) पुत्र देवाजी गमेती की खेत पर काम करते समय हृदयाघात से मौत हो गई। शुक्रवार सांय दिपलाल खेत पर काम करने गया था। जहां सीने में दर्द होने से तबीयत खराब होने पर परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई हरिशचन्द्र सनाढ्य ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हथियार से हमला कर युवक की हत्या

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में शुक्रवार रात्रि को दो गुटों के बीच हुए झगड़े में एक पक्ष के एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या कर दी गई। वहीं हमले में एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने एतिहात के तौर पर एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया।

पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा ने बताया कि कुन्हाड़ी इलाके के भैरू गली में शुक्रवार रात्रि को चंबल कॉलोनी निवासी लोकेश राठौर (23) एवं उसके मित्र साजिदेहड़ा निवासी फैजल दोनों बाइक से जा रहे थे। उसी समय पीछे से असलम व अन्य ने धारदार हथियार से लड़की के मामले में पुरानी रंजिश को लेकर लोकेश पर हमला कर दिया।

बीच-बचाव में उसके साथी फैजल भी हमले में घायल हुआ। दोनों घायलों को उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां लोकेश की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं हमले में घायल फैजल का उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतक लोकेश कुन्हाड़ी थाने का हिस्ट्रीशीटर था। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि असलम व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज हमलावरों की तलाश के लिये टीमें गठित कर रवाना कर दी गई है।

मवेशी ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के खरखड़ा के पास देर शाम को एक बाइक को मवेशी ने टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। मृतक का उप जिला अस्पताल में शनिवार को पोस्टमार्टम करवाया गया।

- हादसे में एक युवक घायल हो गया, अस्पताल में भर्ती कराया

जानकारी अनुसार गोठड़ा निवासी मनीष कुमार (32) पुत्र अमीलाल गुवारिया बडाऊ गांव में मनिहारी के सामान की दुकान कर रखी है। वह सुबह अपने भाई के साथ दुकान पर गया था तथा शाम करीब सात बजे अपने भाई अभिषेक के साथ दुकान बंद कर वापस अपने घर लौट रहा था। जब दोनों भाई खरखड़ा के पास पंहुचे तो बाइक के सामने अचानक मवेशी (सांड) आ गया। इस दौरान मवेशी ने बाइक सवार मनीष कुमार टक्कर मार दी, जिससे वह घायल होकर सड़क पर ही गिर गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। इस दौरान डाक्टरों ने मनीष

मृतक युवक।

को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल अभिषेक का उपचार किया गया। घायल अभिषेक ने बताया कि वह और उसका भाई मनिहारी की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मृतक मनीष कुमार के एक बेटी ईशु (9) व बेटा कार्तिक (7) साल का है। घटना की सूचना पर परिजन भी अस्पताल में पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि की खरखड़ा सड़क पर पहले भी पशुओं से कई हादसे हो चुके हैं। प्रशासन की ओर से पशुओं को गौशाला में भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

124 किलो डोडा-चूरा सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। वल्लभनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान मकान पर दबीश देकर 124 किलो अवैध डोडा-चूरा एवं तीन बाइक जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिह जैन के सुपरविजन में वल्लभनगर थाना अधिकारी दिनेश पाटीदार के नेतृत्व में गठित दल ने गश्त के दौरान बड़गांव में संदिग्ध दो कारों का पिछा किया, लेकिन अंधेरे में वह पकड़ में नहीं आयी। इस पर कार जिस मकान से निकली उसके मालिक गोवर्धन पुत्र रामलाल निवासी बड़गांव वल्लभनगर की तलाशी ली।

इस पर उसके मकान में कमरे में रखे 7 प्लास्टिक के कट्टों को खोल कर देखा तो उसमें 124 किलो डोडा-चूरा पाया गया। इस दौरान तस्करी करने में उपयोग की जाने वाली मौके पर रखी तीन बाइक भी जब्त की। पूछताछ में गोवर्धन ने उक्त डोडा चूरा उसके सिजारी कालुलाल निवासी बड़गांव, विपिन एवं उसका दोस्त विरदाराम निवासी बाडमेर द्वारा मिलकर इकठ्ठा करना बताया, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन परिंदों की अठखेलियां निहारने पहुंचे पक्षी प्रेमी

कानोड़, (निसं)। संभाग स्तरीय बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन शनिवार को प्रदेश के वेटलैंड तालाब बड़वाई व किशन करेरी पर उदयपुर बर्ड फेस्टिवल से पक्षी प्रेमी व पक्षीविद् परिंदों की अठखेलियों को निहारने पहुंचे। पक्षी प्रेमियों का यह दल प्रात: करीब नौ बजे पक्षीविद् विनय दवे के नेतृत्व में बड़वाई तालाब पहुंचा, जहां पक्षी प्रेमियों ने करीब तीन घंटे तक बर्ड वाचिंग की। यहां अलग-अलग प्रजाति के देसी व परदेशी परिंदों की अठखेलियों को देखकर पक्षी प्रेमी काफी आनंदित हुए। उन्होंने इन परिंदों की अठखेलियों को अपने कैमरे में कैद किया और कई ऐसी प्रजातियों को अपने कैमरे में कैद किया जो अमूमन बहुत कम देखी जाती है।

पक्षी प्रेमियों ने परिंदों की अठखेलियों को अपने कैमरे में कैद किया।

- अलग-अलग प्रजाति के देसी व परदेशी परिंदों की अठखेलियों को देखकर पक्षी प्रेमी आनंदित हुए

पक्षी प्रेमियों ने यहां की स्थानीय पक्षी मित्रों की टीम से मुलाकात करते हुए उनके द्वारा इस पक्षी विहार तालाब पर किए जा रहे प्राकृतिक सौंदर्यीकरण की प्रशंसा करते हुए उनकी कई प्रशासनिक समस्याओं को भी सुना। पूर्व सीसीएफ राहुल भटनागर ने गत लंबे समय से इस तालाब में पानी नहीं आने की समस्या को गंभीरता से लिया एवं कहा कि सरकार जल्द इस तालाब में पानी की आवक के लिए नहर का अतिशीघ्र निर्माण करें जिससे इस तालाब का परिंदों के संरक्षण का पुराना स्वरूप बना रहे।

निकट बड़वाई तालाब पर परिंदों की कई प्रजातियों को देखकर पक्षीविदों ने कहा कि बड़वाई तालाब क्षेत्र का सबसे सुरक्षित तालाब है, जिस पर पक्षी अपने आपको काफी महफूज समझ रहे हैं। पक्षी प्रेमियों का यह दल बड़वाई के बाद किशन करेती तालाब पहुंचा जहां भी देसी वह विदेशी परिंदों को निहारते हुए यहां ग्रीन अर्थ नेचुरल समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। पक्षी मित्र यहां से मेनार पक्षी विहार के लिए रवाना हुए। ग्रेट वाइट पेलिकन, ग्रे लेग गीज, यूरेशियन विजन, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कॉमन पोचार्ड, कॉमन टील, गेडवाल, गॉडविट, टफ्टेड डक, कोम्ब डक, नॉर्दर्न शोवलर, नॉर्दर्न पिनटेल, रफ, पेंटेड स्टार्क, सारस क्रेन सहित कई प्रजातियां इन दोनों ही तालाबों पर देखी गई। इनमें सबसे अधिक संख्या बड़वाई पक्षी विहार पर बार हेडेड गीज, नॉर्दर्न पिनटेल, नॉर्दर्न शोवलर, यूरेशियन विजन व ब्लैक टेल्ड गॉडविट की देखी गई। इस दौरान पक्षीविद् पूर्व डायरेक्टर बीएनएचएस डॉक्टर अरशद रहमानी, रिटायर्ड सीसीएफ राहुल भटनागर, पूर्व एसीएफ डॉ. सतीश शर्मा, पक्षीविद् रजत भार्गव, रिटायर्ड डीएफओ सोहेल मजबूर, प्रताप सिंह चुंडावत सहित कई पक्षीविद् व पक्षी प्रेमी पहुंचे।

वहीं संभाग स्तरीय बर्ड फेस्टिवल एवं उसके बाद चित्तौड़गढ़ जिले के सरकार द्वारा घोषित वेटलैंड तालाबों पर प्रदेशभर से बर्ड वाचिंग के लिए आए पक्षीविदों व पक्षी प्रेमियों की अगवानी सिर्फ स्थानीय पक्षी मित्रों को करनी पड़ी, चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से विभागीय अधिकारी कर्मचारी नदारद रहे जिसको लेकर स्थानीय बड़वाई व किशन करेरी के पक्षी मित्रों ने आक्रोश व्यक्त किया। सरकार एक और इन तालाबों को वेटलैंड तालाब घोषित कर चुकी है , वहीं विभागीय अधिकारी इन तालाबों के सुद लेने तक नहीं पहुंचते हैं। इन तालाबों पर होने वाले अवैध खनन, अतिक्रमण जैसी गंभीर समस्याओं से केवल स्थानीय लोगों को उलझना पड़ता है जबकि यह जिम्मेदारी विभाग की है जिसे विभाग भुलकर बैठा है।

सार-समाचार

स्वयं सेवकों ने किया श्रमदान

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तीनों इकाइयों द्वारा एक महत्वपूर्ण सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ संकाय सदस्य कैलाश बैरवा और मुख्य वक्ता गोपाल मीना ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता गोपाल मीना ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे समाज की समस्याओं को समझें और अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकारात्मक बदलाव लाएं। कार्यक्रम में धर्मराज मीना ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह व्यक्ति को सभ्य बनाने और उसके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करती है। कार्यक्रम अधिकारी रामनरेश मीना ने एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह युवाओं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया, जिससे स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चन्द्रशेखर मीना, तेजराम मीना सहित स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं और महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

अनुपस्थित अधिकारियों को चार्जशीट

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सैना ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर 90 से 180 दिन के प्रकरण, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, संभाग कार्यालय, मानवाधिकार आयोग से प्राप्त प्रकरणों का अधिकारी 7 दिन मे निस्तारण करना सुनिश्चित करें जिससे कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन को राहत मिले। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान उपवन संरक्षक, सिचाई विभाग के अधिशाषी अभियन्ता एवं अनुपस्थित अन्य अधिकारियों को 17 सीसीए के तहत चार्जशीट देने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर गुरूवार को कलेक्टेट स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान लंबित चल रहे दर्ज प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करते हुए समय पर रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें जिससे परिवादी की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं उपखंड अधिकारियों को हिदायत दी कि वे आमजन से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में अविलम्ब और प्राथमिकता के साथ कार्यवाही करें तथा उनके निस्तारण के संबंध में की गयी कार्यवाही की सूचना को शीघ्रता से भिजवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला कलेक्टर ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण हटवाने, ठाम पंचायत कैमरी मे साफ सफाई करवाने,ठाम पंचायत बनवाने,रास्ता दिलवाने,पेंशन दिलवाने,साफ-सफाई करवाने सहित पुलिस,राजस्व,नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों के लगभग 35 प्रकरण प्राप्त हुए जिनका शीघ्र निस्तारण करते हुए अधिकारीयों को निर्देश दिये। इस दौरान सर्तकता समिति में दर्ज प्रकरणों की भी समीक्षा की गई एवं प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

एक ही बैंक में तैनात हैं सुरक्षा गार्ड

सूरौठ, (निसं)। तहसील मुख्यालय पर तीन सरकारी बैंक स्थित है, जिसमें एक बैंक में तो बैंक खुलने तक सुरक्षा गार्ड रहता है तथा दो बैंकों में सुरक्षा गार्ड नहीं होने से आए दिन हो रही बैंकों में लूटपाट से लोगों में डर का माहौल है ,कस्बे में स्टेट बैंक एसबीआई मैनेजर राजकुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बैंक में बैंक खोलने के समय से सुरक्षा गार्ड मय हथियार के मेंन गेट पर तैनात रहता है तथा स्टेशन रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक में सुरक्षा गार्ड नहीं है बैंक मैनेजर मुनेश चन्द्र मीणा ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक शाखा सूरौठ में सुरक्षा गार्ड नहीं है उच्च अधिकारियों द्वारा ही सुरक्षा गार्ड लगाया जाता है तथा आबादी स्थित बैंक ऑफ़ बड़ौदा मैनेजर नितेश शर्मा ने बताया कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा सूरौठ में भी सुरक्षा गार्ड नहीं है लेकिन चैनल गेट के छोटे गेट कों लगाकर हमेशा रहते हैं बैंक मैनेजर ने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा बैंक में सुरक्षा गार्ड लगाए जाते हैं तीनों बैंकों में रोजाना करोड़ों रुपए का लेनदेन होता है लेकिन एक बैंक में सुरक्षा गार्ड मौजूद रहता है दो बैंकों में सुरक्षा गार्ड नहीं रहता है।

शिक्षकों ने सम्मेलन में लिया भाग

करौली, (निसं)। राजस्थान समठा शिक्षक संघ का प्रांतीय अधिवेशन पीएम फतेह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुर में चुन्नीलाल गरासिया राज्यसभा सांसद एवं संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उदय सिंह डिंगार कि अध्यक्षता में मां शारदे के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ शुभारंभ हुआ। करौली के जिला अध्यक्ष रूपसिंह गोरेहार ने संविदा कर्मचारियों को स्थाई करने के साथ कार्मिकों कि एनपीएस कि राशि को जीपीएफ में हस्तांतरित करने एवं संगठन के मांग पत्र में सम्मिलित सभी मांगों को राज्य सरकार से पूरी करने के लिए कहा। और उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों कि शिक्षण विधाओं में अंधविश्वास को कतई शामिल नहीं किया जाए क्योंकि इससे मनुष्य का जीवन कमजोर होकर शुन्य हो जाता है उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर शिक्षा ग्रहण करने पर बोल दिया। करौली जिले से शिक्षकों ने जिला अध्यक्ष गोरेहार के नेतृत्व में लिया भाग करौली जिले से जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश ओडच, उपशाखा सपोटरा के अध्यक्ष हंसराज एकट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदकिशोर महावर, राजेंद्र प्रसाद जंगम इत्यादि के साथ कई शिक्षकों ने भाग लिया।

शैक्षिक अधिवेशन में 5 हजार से अधिक प्राध्यापक हुए शामिल

गंगापुर सिटी, (निसं)। रेसला के राज्य स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन बिडला ऑडिटोरियम जयपुर में शुरू हुआ। शैक्षिक अधिवेशन में जिला गंगापुर सिटी से लगभग 11० व्याख्याताओं ने भाग लेने पहुंचे जिसमें चारों ब्लॉक गंगापुर सिटी, टोडाभीम, नादौती एवं बामनवास से व्याख्याताओं ने भरी संख्या में भाग लिया।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत एवं अध्यक्षता शिक्षा मंत्री के ओएसडी वी. के गुप्ता द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी लाल गोदारा और प्रदेश महामंत्री डॉक्टर अशोक जाट रहे। जिला अध्यक्ष गंगापुर सिटी रूपसिंह मीना ने बताया कि राज्य स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन में राजस्थान के प्रत्येक जिले के लगभग पांच हजार व्याख्याता पहुंचे। शैक्षिक अधिवेशन के मुख्य अतिथि अविनाश गहलोत ने संगठन की भूरि भूरि प्रशंसा की और प्रदेश महामंत्री अशोक जाट एवं प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी गोदारा द्वारा संगठन की जो मांगे मंत्री गहलोत के सामने और सरकार के सामने रखी गई। उन पर राज्य सरकार की ओर से राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में मानते हुए अविनाश गहलोत ने रेसला की एक-एक मांग को पूरा करने का दृश्य संकल्प लिया। और संगठन को आश्वस्त किया कि आपकी एक-एक मांग को चाहे वह उप प्राचार्य की 22-23 और 23-24 की बकाया डीपीसी हो चाहे प्रधानाचार्य की बकाया डीसी का मामला हो चाहे जो मुख्य मांग रही वेतन कटौती संबंधी मांग हो सभी मांगों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री के सामने में कल ही स्वयं रखूंगा और पूरे सदन को आश्वासन दिया कि आपकी सभी मांगे शीघ्र ही पूरी की जाएगी जिस पर सभागार में उपस्थित सभी रेसला के सदस्यों ने खडे होकर जोरदार नारेबाजी की एवं जोरदार तालियों से अभिवादन किया। साथ ही मंत्री द्वारा सभी व्याख्याता साथियों से यह आश्वासन भी लिया कि आप राज्य के एवं देश के विकास के कर्ण धार हो आप ही वह हीरे हो जो नन्हे मुन्हें बालकों को तरासकर उनके भविष्य को सुनहरा आपके बिना यह राजस्थान विकसित राजस्थान की कल्पना नहीं कर सकता उसमें आपकी भागीदारी अति आवश्यक है।

- **रेसला के शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षको ने रखी मांग, मंत्री ने दिए सकारात्मक आश्वासन**

रेसला के शैक्षिक अधिवेशन में भाग लेने जाते सदस्य।

महत्वपूर्ण और हमेशा शिक्षकों के प्रति जो उनका लगाव है उसे पर भी सदन में मंत्री ने प्रकाश डाला और 17 जनवरी को ही लगभग 5100 से प्रधानाचार्य की हुई डीपीसी पर प्रधानाचार्य को भी मंच से बधाई प्रेषित की जिस पर सदन में जोरदार तालियां बजाई। बीके गुप्ता द्वारा सरकार से अपील की गई की व्याख्याता की इन मांगों जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए यदि नहीं किया गया तो व्याख्याता संगठन आंदोलन के लिए मजबूर होगा जो कि सरकार के लिए अच्छा नहीं होगा। जिला अध्यक्ष रूपसिंह मीना द्वारा बताया गया कि अधिवेशन में मुख्य मांगे 22ड्क्त 23 एवं 23ड्क्त 24 की उप प्रधानाचार्य डीसी ,लंबित वेतन कटौती एवं गैर शैक्षिक कार्यों में शिक्षकों की ड्यूटी नहीं लगे की मांग पर जोर दिया और प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से ये मांगे रखी। मुख्य अतिथि द्वारा जिलों के जिला अध्यक्षों को सम्मानित किया गया और जिला अध्यक्षों को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया उनकी मेहनत के लिए और शिक्षा के प्रति उनकी सकारात्मक सोच के लिए। रूपसिंह मीना जिला गंगापुर सिटी से अधिवेशन में भाग लेने सभी रेसलियन सदस्यों का आभार प्रकट किया और अपील की कि जब भी भविष्य में संगठन को आपकी जरूरत पडे जिला गंगापुर सिटी सबसे आगे रहेगा।

सार-समाचार

लाभार्थियों को पट्टा वितरित किए

करौली, (निसं)। गृह, गोपालन, मत्सय एवं डेयरी, पशुपालन विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आमजन, गरीब, किसान, युवा, महिलाओं सहित अन्य वर्गों के हित व अधिकारों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। जिला प्रभारी मंत्री शनिवार को जिले के सूचना केन्द्र के टाउन हॉल में प्रधानमंत्री महोदय द्वारा वर्चुअल रूप से स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण कार्यक्रम में भाग लेकर लाभार्थियों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। यह योजना ठाामीण क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकार प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से ग्रामीण निवासियों को उनकी संपत्ति के कानूनी दस्तावेज प्रदान किए जाएंगे जिससे उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा विभिन्न योजनाओं संचालित कर आमजन को लाभान्वित किया जा रहा है सरकार सभी वर्गों के साथ खडी है ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार आमजन को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान कर रही है केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन की सूविधाओं में विस्तार करते हुए आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूती प्रदान की जा रही। मंत्री ने कहा कि सरकार के द्वारा पिछले एक वर्ष में सडक, चिकित्सा, शिक्षा, समाज कल्याण, सहित विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किये गये है। विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि पट्टा वितरण के तहत आमजन को अपनी सम्पति का वास्तिविक हक मिलेगा। सपोटरा विधायक हंसराज मीणा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के द्वारा स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण कर देश भर में पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी लाखन सिंह ने कहा कि स्वमित्व योजना के तहत जिले में आगामी समय में पट्टा वितरण कर आमजन को लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने कई लाभार्थियों को पट्टे व स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए जिन्होंने सरकार की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान दिंगबर,कल्याण, राजाराम,चरणसिंह, खुशीराम, गोपाल, दीवान, सियाराम,निरंजन,सतीश,रूमन्ती, भूरासिंह,भगवानसिंह,रामचरण, प्रभू, मूरारी, चंपु, भगवती, कटोरी, लच्छीराम और शिवराम को स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण कर योजना का लाभ दिया गया। जिला प्रभारी मंत्री ने उपस्थित जनसमूह को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार ठाामीण विकास और नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। और भविष्य में भी ऐसी योजनाओं को लागू करती रहेगी।

पाराशर बने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

करौली, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के 64वे प्रदेश सम्मेलन के द्वितीय दिवस में आज महासमिति अधिवेशन के दौरान प्रदेश कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ जिसमें कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पद पर रामनिवास पाराशर को निर्वाचित घोषित किया गया। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का अधिवेशन हनुमानगढ के नोहर में आयोजित हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में प्रदेश के शिक्षक उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि पाराशर पूर्व में प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर विगत तीन वर्ष से रह चुके हैं। इसके बाद पाराशर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शैक्षिक चिंतन,मंथन और अभिव्यक्ति के सजग,तत्पर,यथार्थ के प्रहरी बुद्धिजीवियों द्वारा,नौहर, हनुमानगढ की धरा के प्रांगण में प्रांतीय शैक्षिक महाधिवेशन के सफल आयोजन हेतु तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वेगराज खोत,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गिरीश कुमार शर्मा,पूर्व प्रदेश मुख्य महामंत्री अभिमन्यु सिंह भदौरिया,स्थानीय आयोजन समिति,प्रदेश कार्य समिति,नवनिर्वाचित प्रदेश कार्य समिति एवं राजस्थान के कौने कौने से पधारे सभी शिक्षक साथियों को बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं अभिव्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश कार्य समिति में आपने मुझे जो जिम्मेदारी का पद दिया है उसको मैं अपनी नवनिर्वाचित कार्यसमिति के साथ मिलकर राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के विरासत के शानदार वैभव को ऊंचाइयों तक ले जाने में अपनी पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करूंगा।

खोए व चोरी मोबाइलों को सुपुर्द किया

भरतपुर, (निस)। जीआरपी थाना पुलिस ने साइबर पुलिस की मदद से 40 ऐसे मोबाइलों को बरामद किया। जिन्हैं चोरों के द्वारा भरतपुर रेलवे स्टेशन से लोगों से चोरी किया गया था या स्टेशन पर गुम हो गए थे। शनिवार को जीआरपी थाना इंचार्ज धर्म सिंह मीणा ने मोबाइल के मालिकों को जब उनके मोबाइल सुपुर्द किए तो अपने मोबाइल पाकर लोग काफी खुश नजर आए। इस बारे में जीआरपी थाना इंचार्ज धर्म सिंह मीणा ने बताया कि पिछले वर्ष एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर तक 2024 तक 127 मोबाइल चोरी व गुम होने की घटना दर्ज हुई थी। पीडितों की शिकायत पर साईबर पुलिस की मदद से 94 मोबाइल ट्रेस करने में सफलता प्राप्त की गई। जिनमें से 40 मोबाइलों को बरामद कर लिया गया है। जिस पर शनिवार को 39 लोगों को उनके खोए व चोरी मोबाइलों को सुपुर्द किया गया। इस मोके पर लोगों का कहना था कि उन्हैं तो उम्मीद ही नहीं थी कि उनका चोरी मोबाइल उन्हैं वापस मिल सकेगा। लेकिन पुलिस ने कार्यवाही कर मोबाइल बरामद करने में सफलता पाई और आज उन्हैं उनके मोबाइल मिले। अपने मोबाइल पाकर व्यक्तियों ने खुशी जताते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया। फिलहाल पुलिस अन्य मोबाइल की बरामदगी को लेकर प्रयास कर रही है।

शिविर में की कैदियों की जांच की

गंगापुर सिटी, (निसं)। 18 जनवरी। उपकारागृह में शनिवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जयपुर-भरतपुर रेंज की कारागार महानिरीक्षक मोनिका अग्रवाल के निर्देश पर गंगापुर सिटी सरकारी अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने जेल में बंदियों और स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच की। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम में डॉ. राजबहादुर मीणा (चर्म रोग विशेषज्ञ), डॉ. रघुवीर शरण मीणा (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. नरेंद्र सिंह (ईएनटी विशेषज्ञ), डॉ. राजेश मीणा (दंत रोग विशेषज्ञ) और डॉ. भरत गोयल शामिल थे। टीम ने सभी बंदियों और जेल कर्मियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों की भी जांच की। डॉक्टरों ने मरीजों को तुरंत दवाएं उपलब्ध कराईं और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलॉईज यूनियन का अधिवेशन संपन्न

गंगापुर सिटी, (निसं)। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलॉईज यूनियन का 22 वाँ वार्षिक अधिवेशन डब्ल्यूसीआरईयू वैगन रिपेयर वर्कशॉप के बाहरी प्रांगण में धुमधाम एवं हर्षोउल्लास के साथ शनिवार को कोटा में आयोजित किया गया। यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन के कैडर ने साबित कर दिया कि वह बिना सुविधा के एकजुट होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन का 22वें वार्षिक अधिवेशन में हजारो की संख्या रेल कर्मचारियो ने भाग लेकर एकजुटता का परिय दिया।

इस जोनल स्तरी अधिवेशन में जबलपुर, भोपाल व कोटा मंडल हजारों रेलकर्मचारियों ने अपना योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि प्रात: विशाल रैली मंडल यूनियन कार्यालय से प्रारंभ होकर भीमगंजमंडी स्टेशन बजरिया होते हुये अण्डर ब्रिज से डब्ल्यूसीआरईयू वैगन रिपेयर शॉप शाखा के प्रागंण में आम सभा में तब्दील हुई। इसके पश्चात 22वें वार्षिक अधिवेशन का उदघाटन ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन के महामंत्री कॉमरेड शिवगोपाल मिश्रा के संबोधन के साथ हुआ। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन ने 8वें वेतन आयोग की मांग जगन्नाथ पूरी ईस्ट कोस्ट रेलवे में आयोजित अधिवेशन मे रखी थी जिसको आज भारत सरकार ने अमली जामा पहनाते हुये 8वें वेतन आयोग देने की घोषणा की। महामंत्री शिवगोपाल मिश्रा ने कहा कि ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन ०1 जनवरी 2०26 से इसको पूर्णतया लागू करवाने में अपने पूरे प्रयास कर रहा है। साथ ही रेलकर्मचारियों का कैडर रिस्ट्रक्चरिंग भी शीघ्र ही लागू करवाने पर रेलवे प्रशासन पर दबाव बनाया जा रहा है। अधिवेशन को संबोधित करते हुये कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे में डब्ल्यूसीआरईयू का कैडर सुविधाभोगी नहीं है हर संघर्ष में लाल झंडे के साथ है। आज की रैली और अधिवेशन में उन्होने यह साबित कर दिया कि लाल झंडे को हम कभी भी नहीं झुकने देगें और उत्साह, उमंग एवं जीजीविषा के साथ संघर्ष करते हुये अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगें। इस वार्षिक अधिवेशन में महामंत्री मुकेश गालव ने जोन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुये यूनियन के कैडर का धन्यवाद दिया और कहा कि डब्ल्यूसीआरईयू का कैडर अपनी खुद की छुट्टी व पास लेकर इस अधिवेशन में भाग लेकर इसे सफल बनाया। आने वाले समय में यूनियन के लिये यह मील का पत्थर साबित होगा। यूनियन के जोनल कोषाध्यक्ष इरशाद खान ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसको रेलकर्मचारियों ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। अधिवेशन को एआईआरएफ की जोनल सेक्रेट्री चम्पा वर्मा ने कहा कि डब्ल्यूसीआरईयू स्वतंत्र स्वावलम्बी प्रजातांत्रिक मजदूर आन्दोलन में विश्वास करती है। उन्होने इस ऐतिहासिक अधिवेशन में भाग लेने वाले रेलकर्मचारियों को यूनियन के इतिहास एवं उपलब्धियों के बारे में बताया।

अधिवेशन को संबोधित करते ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन के महामंत्री कॉमरेड शिवगोपाल मिश्रा।

वीणा मैमोरियल कॉलेज ने नैक मूल्यांकन में प्राप्त की बी ग्रेड

करौली, (निसं)। स्थानीय वीणा मैमारियल पीजी कॉलेज ने अभी हाल हुये राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक मूल्यांकन उपरान्त परिणम में सीजीपी 2.43 के साथ बी ठोड प्राप्त कि है।

संस्था सचिव विजय सिंह ने बताया कि मूल्यांकन समिति में डॉ. अमित कॉट्स अध्यक्ष, डीन एवं प्रोफेसर गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पंजाब,डॉ. त्रिपुरा सुन्दरी मेम्बर कोर्डिनेटर प्रोफेसर, पदमावती महिला विश्वविद्यालय तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश तथा डॉ. आलोक कुमार सदस्य प्राचार्य चिन्मया डिठी कॉलेज, हरिद्वार ,उत्तराखंड शामिल रहे। दो दिवसीय निरीक्षण के दौरान टीम ने नैक द्वारा निर्धारित क्राइटेरिया अनुसार महाविद्यालय की शैक्षिणक व आधारभूत सुविधाओं की गहनता से जाँच की। जाँच के दौरान टीम ने महाविद्यालय को प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता की दृष्टि से श्रेष्ठ पाया एवं महाविद्यालय प्रबंधन व समस्त स्टॉफ के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं गुणवत्ता को और अधिक उत्तम बनाने हेतु सुझाव दिये तथा महाविद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। यह महाविद्यालय करौली जिला मुख्यालय पर नैक से श्रेष्ठता कि ग्रेड लेने वाला प्रथम महाविद्यालय बन गया है। महाविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन में ठोड बी प्राप्त करने पर संस्था संरक्षक अजयसिंह द्वारा महाविद्यालय प्रबंधन एवं स्टॉफ को शुभकामनाएं दी।

उद्योगों में उत्पादन होने वाले माल के निर्यात व जीएसटी की जानकारी दी

भरतपुर, (निसं)। शनिवार को होटल ऑम कॉम्पलेक्स में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, जयपुर, जिला उद्योग केंद्र, भरतपुर, फोर्टी भरतपुर संभाग, ऑयल मिल एसोसिएशन भरतपुर,जिला व्यापार महासंघ, बृज उद्योग संघ भरतपुर, चौंबर ऑफ कॉमर्स, लघु उद्योग भारती, कैट भरतपुर, भरतपुर उद्योग व्यापार मंडल एवं विभिन्न टेक्नोलॉजी प्रोवाईडर के सहयोग से एठो बेस्ड प्रोडक्ट सेक्टर में निर्यात एवं प्रोद्योगिकी के अवसर विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- **एग्रो बेस्ड प्रोडक्ट सेक्टर में निर्यात एवं प्रोद्योगिकी के अवसर विषय पर कार्यशाला**

कार्यशाला में उद्योगों में उत्पादन होने वाले माल के निर्यात और जीएसटी आदि की जानकारी दी

कार्यशाला में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा उद्योगों में उत्पादन होने वाले माल के निर्यात और जीएसटी आदि की जानकारी दी गई। जिसमें भरतपुर और डीग जिले के उद्योगपति एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा सरकारी विभाग के अधिकारी शामिल हुए। सभी को उद्योगों में उत्पादन माल के निर्यात और जीएसटी के गुर सिखाए गये साथ ही उद्योग जगत में आने वाली समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया और नववर्ष 2025 की एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। एमएसएमई डीएफओं जयपुर के अतिरिक्त निदेशक जेके मीणा, डीआईसीसी भरतपुर के जनरल मैनेजर सीएम गुप्ता, फोर्टी भरतपुर के चेयरमैन अनुराग गर्ग, जिला व्यापार महासभा भरतपुर के जिलाध्यक्ष संजीव गुप्ता, जोधपुर इण्ट. ऑफ एक्सपोर्ट के निदेशक राईस अहमद, एफएसएसएआई एक्सपर्ट जयपुर के आईपीआर डॉ रोहित जैन, उद्योगपति राहुल बंसल, उद्योगपति विष्णु गुप्ता, उद्योगपति नृपेश गुप्ता, उद्योगपति सुरेश बंसल, मोहन बंसल, सुनील मित्तल, सत्यभान सिंह, उद्योगपति देवेन्द्र चामड, दिवंगत केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट के रहे निजी सचिव व उद्योगपति विजय गुप्ता, गौरव जिन्दल, कृष्णमुरारी अठावाल, विनीत अठावाल, जय बंसल, संजय चौधरी, उद्योगपति रामकुमार, उद्योगपति विनीत सिंह, राजेन्द्र गुप्ता सेवर वाले आदि ने विचार प्रकट किए और उद्योगों में उत्पादन होने वाले माल के निर्यात करने की जानकारी दी। साथ ही जीएसटी की विस्तार से अवगत कराते हुए उद्योग जगत में आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला। उद्योगपति अनुराग गर्ग ने आभार प्रकट कर कार्यक्रम का संचालन किया।

शैक्षिक सम्मेलन का समापन

भरतपुर, (निसं)। महाराजा सूरजमल शिक्षक संघ राजस्थान के 2 दिवसीय राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का समापन पूर्व उपनिदेशक महात्मा गाँधी विद्यालय संभाग भरतपुर प्रेम सिंह कुन्तल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता उपनिदेश महात्मा गाँधी विद्यालय संभाग भरतपुर दलवीर सिंह ने की। जिसमें विशिष्ट अतिथि विशाल सिंह अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय संयुक्त निदेश भरतपुर, डॉ प्रेम सिंह कुन्तल अध्यक्ष जिला जाट महासभा भरतपुर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय भरतपुर श्याम सिंह सागर, श्रीकान्त शर्मा सहायक निदेशक, नरेन्द्र जोशी सहायक निदेशक एवं प्रधानाचार्य यशवीर सिंह, कर्मवीर सिंह, शमशुद्धिन चिड्डा, हेमचन्द गोयल, पूरन सिंह मीणा, रामवीर सिंह देशवाल, मंजू गुप्ता, बबीता, रश्मि चौधरी, मंजू पवन, हरभान सिहं आदि उपस्थित रहे। शिक्षक संघ मंच के माध्यम से सरकार के समक्ष संगठन की विभिन्न मांगों को रखा। कार्यक्रम का संचालन सुरेश चन्द फौजदार शारीरिक शिक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हमवीर सिंह, तारा सिंह शारीरिक शिक्षक सोनवीर सिंह, सुरेश चौधरी, दिनेश सिनसिनवार, उदय सिंह इन्दौलिया, दौलत सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, अरूण, भावना, प्रमिला, राजकुमारी सहित हजारों की संख्या में अध्यापक उपस्थित रहे।

आध्यात्म से जुड़कर होता है सत्य का ज्ञान : डॉ. गर्ग

भरतपुर, (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय में शनिवार को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 56वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा भाव के साथ पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के मुख्य अतिथ्य में मनाया गया। डॉ. गर्ग ने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को पुष्प अर्पित कर आध्यात्म से जुड कर सत्य के मार्ग पर चलने का आव्हान किया। कार्यक्रम में डॉ. गर्ग ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने आध्यात्मिक शिक्षा के माध्यम से विश्व परिवर्तन के कार्य को करने में अपनी महती भूमिका निभाई जो दिव्य कार्य की श्रेणी में आता है।

उन्होंने कहा कि सभी को अपना जीवन मानवता की सेवा में लगाना चाहिए। संतों, ऋषियों से प्रेरणा लेकर सत्य के मार्ग को अपनाना चाहिए। उन्होंने ब्रह्मा बाबा की शिक्षा का अनुसरण करने का आव्हान करते हुये कहा कि सांसारिक रूप में रहने पर गलतियां होती है लेकिन जब आध्यात्म से जुडते हैं तो सत्य का ज्ञान होता है और सांसारिक गलतियों में सुधार होना शुरु हो जाता है। कार्यक्रम में भरतपुर सेवा केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी कविता बहिन ने कहा कि शान्ति स्थापना की विश्व में महती आवश्यकता है। आध्यात्म का जो बीज ब्रह्मा बाबा ने लगाया था वह अब पवित्रता की खुशबू फैलाते हुये वटवृक्ष बन गया है। रूपवास सेवा केन्द्र प्रभारी बविता बहिन ने कहा कि ब्रह्मा बाबा आध्यात्मिक क्रान्ति के अठादूत थे और जल्द ही कलयुगी संसार से सतयुगी संसार में परिवर्तन होने जा रहा है। इस मौके पर योगिता बहिन ने राजयोग का अभ्यास कराया। ब्रह्मकुमारी संस्कृति बहिन, गीता बहिन ने संस्था परिचय देते हुये दिव्य गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में टेक्नोलॉजी पार्क के निदेशक आलोक शर्मा, पूर्व मेयर शिवसिंह भौंट, प्रधान प्रतिनिधि सतीश सोगरवाल, डॉ अर्चना सिंह, डॉ योगेन्द्र सिंह, जुगल किशोर सैनी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मा कुमारी प्रवीणा बहिन ने किया। इस मौके पर जयसिंह, मिठ्ठन, रनवीर, ओम शान्ति, अन्नू, राधा, प्रेम, किरण आदि सेवा भावी लोग मौजूद रहे।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 56वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया।

MARUTI SUZUKI

NEXA

MISSED THE DECEMBER DEAL? DON'T MISS OUT AGAIN.

GRAB IT BEFORE PRICE RISE OF UP TO 4%

This is your last chance to drive home your favourite NEXA car.

CREATE. INSPIRE.

CONSUMER OFFERS UP TO ₹1 90 000#

EXCHANGE BONUS OF UP TO ₹1 00 000#

PER LAKH EMI STARTING FROM ₹1 475#

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till stocks last. Applicable on available stock of 2024 models. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. #8 year funding product as per Bajaj Finance Scheme. Mentioned finance offering may vary basis customer profile, geography, credit score etc. All loans are at the sole discretion of the financer. Commercial usage vehicle's funding is not covered in the mentioned scheme.